मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 75
बुधवार, 24 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सनातन संस्था पर बैन लगाने की कोशिशों को झटका, बॉम्बे हाईकोर्ट में वापस हुई याचिका

मुंबई, 23 सितम्बर। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक याचिकाकर्ता से पूछा, जिसने 2011 में दक्षिणपंथी समूह सनातन संस्था पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी, कि उसकी याचिका कैसे विचारणीय है। अदालत ने याचिकाकर्ता विजय नामदेव रोकड़े और अन्य से कहा कि या तो वे अपनी याचिका वापस ले लें, अन्यथा खारिज होने का सामना करें। निदेशों के बाद, याचिकाकताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने जनहित याचिका वापस ले ली। याचिका में सनातन संस्था को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि इसके सदस्य ₹सम्मोहन और

आतंकवादी गतिविधियों₹ में शामिल हैं। अदालत ने पहले भारत संघ और संस्था को याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

2017 में भारत संघ ने अदालत को सूचित किया कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत सामग्री केंद्र के लिए यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं थी कि संस्था की गतिविधियाँ आतंकवादी संगठन के रूप में योग्य हैं। अपने जवाब में सनातन संस्था ने आरोपों का पुरजोर खंडन किया और याचिकाकताओं पर कड़ी सजा की माँग की। गोवा में संस्था के प्रबंध न्यासी वीरेंद्र मराठे द्वारा दायर जवाब में कहा गया कि याचिका याचिकाकताओं की कल्पना की उड़ान पर आधारित है। आतंकवाद के आरोपों पर, संस्था ने कहा, ₹संस्था के खिलाफ एक भी आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

ठाणे, वाशी और पनवेल में सिनेमाघरों को निशाना बनाकर किए गए विस्फोटों से जुड़े आरोपों पर हलफनामे में कहा गया है कि संगठन की जांच से पता चला है कि आरोपपत्र या उन कार्यवाहियों में पारित फैसले में कहीं भी सनातन संस्था के बारे में कोई जिक्र तक नहीं था।

मणिपुर में सेना-असम राइफल्स का बड़ा ऑपरेशन, 9 उग्रवादी गिरफ्तार, भारी हथियार बरामद

मणिपुर, 23 सितम्बर। स्पीयर कोर के नेतृत्व में भारतीय सेना और असम राइफल्स ने 15 से 21 सितंबर, 2025 तक मणिपुर में खुफिया जानकारी पर आधारित संयुक्त अभियानों की एक श्रृंखला शुरू की। मणिपुर पुलिस के साथ इन समन्वित प्रयासों ने तेंगनौपाल, थौबल, इंफाल पूर्व, तामेंगलोंग, चुराचांदपुर, कांगपोकपी और चंदेल सहित कई जिलों को निशाना बनाया। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने कहा कि इन अभियानों के दौरान नौ सक्रिय कैडर पकड़े गए। सुरक्षा बलों ने 36 हथियार, नशीले पदार्थ और अन्य युद्ध-संबंधी सामान बरामद किए।

अभियान पहाड़ी और घाटी जिलों में चलाए गए, जो सुरक्षा

चिंताओं को दूर करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का संकेत देते हैं। ये संयुक्त अभियान मणिपुर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों को दशार्ते हैं। इससे पहले, विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, असम राइफल्स ने 18 सितंबर को चंपई जिले के सैखुम्फई के घने जंगलों में एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया था।

19 सितंबर की सुबह, सैनिकों ने हथियारों का एक छुपा हुआ जखीरा बरामद किया जिसमें एक हेकलर एंड कोच जी3 असॉल्ट राइफल, एक स्प्रिंगफील्ड स्नाइपर राइफल, एक 60 मिमी मोर्टार ट्यूब, विभिन्न राइफलों के लिए 21 राउंड गोला-बारूद और 13 ग्रेनेड शामिल थे। इसके अलावा, युद्ध के लिए उपयुक्त सामान भी बरामद किया गया, जिसमें आठ मीटर का कॉर्डटेक्स, दो ट्रिप वायर, एक स्नाइपर स्कोप, दो आरपीजी रेंज एक्सटेंडर, एक एके-47 और एक पिस्तौल के लिए एक-एक मैगजीन, एंटेना वाले दो रेडियो सेट, एक अतिरिक्त एंटेना और अन्य विविध वस्तुएँ शामिल थीं।

बरामदगी के बाद, टीम ने आसपास के क्षेत्र में किसी भी भूमिगत कैडर की मौजूदगी का पता लगाने के लिए विस्तृत क्षेत्र का निरीक्षण किया।

क्षेत्र के जन-जन तक पहुंचाए जाएं जीएसटी बचत के लाभ: सिंधिया

नई दिल्ली/ गुना/ अशोकनगर/शिवपुरी, 23 सितम्बर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज मंगलवार को नई दिल्ली से गुना संसदीय क्षेत्र के अशोकनगर, शिवपुरी क्षेत्रों के विधायकों, जिला अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ एक अहम वर्चुअल बैठक की। बैठक में 22 से 29 सितंबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा एवं जीएसटी बचत उत्सव के लाभ को क्षेत्र में जन-जन तक पहुंचाने की योजनाओं एवं क्रियान्वयन की नीतियों पर चर्चा हुई। सिंधिया ने नवरात्रि के पहले दिन देश को मिली जीएसटी दरों में सुधार की सौगात को गुना क्षेत्र की जनता तक पहुंचाने के लिए योजनाओं पर गहन विमर्श

किया। इन लाभों की जानकारी जनता तक पहुंचाने और स्वदेशी सामान खरीदने के लिए जागरुकता फैलाने के लिए अपील की ।

केन्द्रीय मंत्री ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हुए सेवा पखवाड़ा हर कार्यकर्ता के लिए सेवा, समाज कल्याण और जनजागरण का अवसर है। उन्होंने जिला अध्यक्षों और कार्यकताओं को निर्देश दिया कि प्रतिदिन के कार्यक्रम की विस्तृत योजना बनाई जाए, जिसमें कार्यकताओं की टोली बने और हर टोली का नेतृत्व एक वरिष्ठ कार्यकर्ता करे। ये टीमें विधानसभा, ब्लॉक, तहसील, पंचायत और गाँव-गाँव के हर वार्ड तक जाकर कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। मंत्री ने यह भी कहा कि हर टोली अपने कार्यों की रिपोर्ट और फोटो नियमित रूप से साझा करे, ताकि सेवा पखवाड़ा को संगठित व परिणामकारी बनाया जा सके।

बैठक में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सेवा पखवाड़ा के दौरान स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, जनकल्याण योजनाओं का प्रचार-प्रसार, सामाजिक सेवा और जनजागरूकता पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

23 महीने बाद आखिरकार जेल से रिहा हुए आजम खान

लखनऊ, 23 सितम्बर। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और पूर्व लोकसभा सांसद आजम खान उत्तर प्रदेश की सीतापुर जेल से रिहा हो गए, जहाँ वे लगभग 23 महीने से बंद थे। उन्हें क्वालिटी बार भूमि अतिक्रमण मामले में जेल में रखा गया था। आजम खान का स्वागत करने आए सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनके सहयोगी और पूर्व लोकसभा सांसद आजम खान को झूठे मामलों में फँसाया गया है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए, यादव ने सीतापुर जेल में बंद आजम खान को जमानत देने के अदालत के फैसले का स्वागत किया। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक रहे यादव

ने कहा, आजम खान को सरकार ने झूठे मामलों में फँसाया था। हालाँकि, अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है और उन्हें मामलों में राहत प्रदान की है। मैं इस फैसले का स्वागत करता हूँ। मैं सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय का स्वागत करता हूँ। उनके खिलाफ कई झूठे मामले दर्ज किए गए थे। समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी है। यह पूछे जाने पर कि क्या खान बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल होंगे, यादव ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा, ये सब झूठ हैं। समाजवादी पार्टी पूरी तरह से उनके साथ है। खान को हाल ही में भूमि अतिक्रमण के एक मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जमानत मिली है। इससे पहले, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान को क्वालिटी बार भूमि मामले में जमानत दे दी थी। एएनआई से बात करते हुए, आजम खान के वकील मोहम्मद खालिद ने कहा कि इस जमानत के साथ, अब उन्हें जेल में रखने वाला कोई भी मामला लंबित नहीं है, जिससे संकेत मिलता है कि उनके जल्द ही रिहा होने की संभावना है।

खालिद ने कहा, इसलिए, अब कोई भी ऐसा मामला लंबित नहीं है जिसके लिए उन्हें जेल में रखा जाए। आज तक, सभी मामलों में जमानत मिल चुकी है। इस प्रक्रिया में दो से तीन दिन लग सकते हैं। अभी तक, कोई अन्य लंबित मामला नहीं है...₹ क्वालिटी बार भूमि मामले के बारे में बताते हुए, खालिद ने कहा कि आरोपों में दावा किया गया है कि आजम खान ने 2013 में कैबिनेट मंत्री के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करके अपने परिवार के एक सदस्य को जमीन आवंटित की थी।

कर्नाटक जाति जनगणना पर बवाल

कर्नाटक। भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने मंगलवार को जाति जनगणना की घोषणा को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की आलोचना की और आरोप लगाया कि इससे विभिन्न समुदायों और यहाँ तक कि कांग्रेस पार्टी के भीतर भी असंतोष पैदा हुआ है। पर एक पोस्ट में, सिरोया ने लिखा कि सिद्धारमैया ने इतनी जल्दी में जाति जनगणना का आदेश देकर, अपनी पार्टी के लोगों और कैबिनेट सहयोगियों सहित सभी को नाखुश कर दिया है।

आज की स्थिति में, वोक्कालिगा, लिंगायत, दलित, ओबीसी, ब्राह्मण, अल्पसंख्यक, आदिवासी और खानाबदोश कांग्रेस सरकार से नाराज हैं। मुख्यमंत्री को पूछना चाहिए कि क्या उनका अपना कुरुबा समुदाय उनके साथ है या वे भी नाराज हैं।

मान सरकार की बड़ी सौगात: पंजाब के लोगों को 10 लाख तक मुफ्त इलाज

पंजाब। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बलबीर सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य में नागरिकों के लिए 10 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की जाएगी, जिसके तहत परिवार के सभी सदस्यों के लिए व्यक्तिगत कार्ड बनाए जाएँगे। बलबीर सिंह ने बताया कि इस योजना के लिए आय या किसी अन्य लाभ का कोई मानदंड नहीं है; व्यक्ति के पास केवल पंजाब का आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र होना आवश्यक है।

बलबीर सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि प्रत्येक परिवार को 10,00,000 रुपये का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा मिलेगा... परिवार के सभी सदस्यों के लिए व्यक्तिगत कार्ड बनाए जाएँगे... आय या किसी अन्य चीज का कोई मानदंड नहीं है; व्यक्ति को केवल पंजाब का आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र चाहिए। मंत्री ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत, लोग बिना किसी तनाव या कर्ज.के सर्वश्रेष्ठ केंद्र पर इलाज करा सकते हैं, जिसमें कॉस्मेटिक सर्जरी को छोड़कर सभी जीवन रक्षक प्रक्रियाएँ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह योजना 2 अक्टूबर को शुरू होगी, जिसके लिए पंजीकरण शुरू हो गया है।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इसकी शुरूआत तरनतारन और बरनाला से होगी... लोग बिना किसी तनाव या कर्ज.के सर्वश्रेष्ठ केंद्र में इलाज करा सकेंगे... कॉस्मेटिक सर्जरी को छोड़कर, सभी जीवन रक्षक प्रक्रियाएँ इसमें शामिल हैं।

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

-ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझभरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति-आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक-एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, इंसान-इंसान के बीच दूरियां-विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत-विक्षत कर दिया।

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- “जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है।” डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति-आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा। समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति-आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान को महत्व मिलेगा।

किसी जाति के प्रति लगाव दशार्ने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच-नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा-निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा। यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दशार्ने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं।

यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर-वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज-खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे “जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी।” वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। “सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास” की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित और जनहित की राजनीति करनी होगी।

जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढाते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढती.रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए। यह भ्रांति भी फैल रही है कि अपनी जाति के लोग या अधिकारी या नेता ही अपनी जाति के समुदाय या लोगों की मुसीबत में साथ खड़े होते हैं। ऐसी तमाम सामाजिक व प्रशासनिक खामियों एवं विडम्बनाओं से उबरने की जरूरत योगी सरकार ने महसूस की है। अन्यायी के खिलाफ बिना जाति देखे खड़ा होना चाहिए। संविधान की भी मंशा यही है कि हर नागरिक को अपने समाज की ताकत बनकर आगे बढ़ना चाहिए और ध्यान रहे, यह समाज मात्र एक जाति आधारित न रहे। हर जाति महत्वपूर्ण है और सबका विकास हो, पर जाति आधारित लगाव या राजनीति का दिखावा खत्म होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह कदम भारतीय समाज को जातिवाद की जंजीरों से मुक्त कराने का बड़ा अवसर है। यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएं और भारत को सच्चे अर्थों में समानता, न्याय और बंधुत्व की धरती बनाएं।

आजम खान के जेल से बाहर आने से उत्तरप्रदेश की सियासत में जबरदस्त उबाल

अशोक भाटिया

उत्तरप्रदेश के पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान मंगलवार को सीतापुर जेल से रिहा हो रहे थे पर आजम खान की रिहाई आठ हजार रुपए के लिए अटक गई है। आजम खान मंगलवार यानी 23 सितम्बर की सुबह सात बजे सीतापुर जेल से रिहा होने वाले थे लेकिन चालान के आठ हजार रुपए जमा नहीं होने के चलते उनकी रिहाई अटक गई। अब बताया जा रहा है कि सुबह 10 बजे कोर्ट खुलने के बाद चालान जमा होगा और तब ही आजम खान जेल से बाहर आ सकेंगे।

मालूम हो कि बीते वर्ष शत्रु संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने के आरोपों से घिरे सपा नेता आजम और अब्दुल्ला आजम को रामपुर पुलिस ने क्लीन चिट दे दी थी। इस मामले में कुछ दिन पूर्व आजम खां के खिलाफ आईपीसी की धारा 467, 471 और 201 में एडिशल चार्जशीट दाखिल करते हुए स्पष्ट किया था संबंधित केस में सपा नेता आजम की संलिप्तता पाई गई है। तीन दिन पहले कोर्ट ने दोनों पक्षों की आपत्तियों को निस्तारित करते हुए सपा नेता आजम खां पर एडिशनल चार्जशीट में बढ़ाई गईं आईपीसी की धारा 467, 471 और 201 का संज्ञान ले लिया था। इस मामले में आजम खां को एक अक्तूबर को व्यक्तिगत रूप से तलब किया गया है।

बता दें की आजम खान के खिलाफ दर्ज 72 मुकदमों में रिहाई के आदेश सीतापुर जेल को मिल चुके हैं। हाल ही में एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान के 19 मुकदमों में रिहाई परवाने जारी किए थे। कल से ही उनके समर्थक आजम खान के बाहर आने को लेकर उत्साहित है। आजम खान 23 महीने बाद जेल से बाहर आ रहे हैं। उनके स्वागत के लिए मंगलवार की सुबह से ही सीतापुर जेल के बाहर उनके समर्थक जुटने लगे थे। आजम खान के बेटे अदीब आजम भी वहां पहुंचे हैं। समर्थकों को जानकारी थी की आजम खान सुबह सात बजे के करीब जेल से बाहर आएंगे पर अब दिन नहीं समय बदल सकता है ।

आजम खान मंगलवार को सीतापुर जेल से रिहा तो हो रहे हैं लेकिन, उनकी मुश्किलें अभी कम नहीं होंगी। रिकार्ड रूम में अभिलेखों में हेराफेरी और साक्ष्य मिटाने के आरोपों में अदालत ने आजम को व्यक्तिगत रूप से एक अक्तूबर को तलब किया है। गौरतलब है कि आजम खान का नाम सपा में उत्तरप्रदेश के बड़े चेहरे के तौर पर जाना जाता है। रामपुर में प्रत्याशी का ऐलान आजम के कार्यालय से होता रहा है, जबकि लखनऊ में केवल औपचारिक मंजूरी मिलती थी। जेल में रहते हुए भी आजम समय-समय पर सियासत में हलचल लाते रहे। उनके विरोधी न केवल सक्रिय हुए बल्कि आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत भी हुए, बावजूद इसके आजम की लोकप्रियता और कद में कोई कमी नहीं आई।

आजम खान की रिहाई से पहले ही अटकलें शुरू हो गई हैं कि वह सपा छोड़ सकते हैं और बसपा या आजाद समाज पार्टी ज्वाइन कर सकते हैं। जेल में रहते हुए उन्होंने चंद्रशेखर से मुलाकात की है। हालांकि, उनके लंबे राजनीतिक कॅरियर और पहले के ऐलानों को देखें तो यह संभावना कम लगती है, क्योंकि आजम कई बार मंच से यह स्पष्ट कर चुके हैं कि वे सपा के संस्थापक सदस्य हैं और पार्टी नहीं छोड़ेंगे। 2004 और 2009 के लोकसभा चुनावों में आजम खान ने अपनी राजनीतिक ताकत का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुरादाबाद में 2024 के चुनाव में उन्होंने एसटी हसन का टिकट कटवाकर अपनी पसंद रुचि वीरा को टिकट दिलाया था। रामपुर में टिकट फाइनल होने से पहले भी आजम खान का रुख निर्णायक रहा। यह दशार्ता है कि आजम की राजनीतिक पकड़ कितनी मजबूत है और आने वाले चुनावों में उनका प्रभाव कितना महत्वपूर्ण होगा।

उत्तरप्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होंगे और 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव। राजनीतिक दल इस समय आजम खान के अगले कदम और रणनीति को नफा-नुकसान के नजरिए से देख रहे हैं। सपा के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आजम के सहारे मुस्लिम मतदाताओं को वापस पार्टी में लाया जा सके और भाजपा के लिए यह देखना महत्वपूर्ण है कि आजम की तकरीरों से अपने वोट बैंक का कितना ध्रुवीकरण हो सकता है।

बतादे कि आजम खान, जो रामपुर से 10 बार विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे हैं, का राजनीतिक सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 1980 के दशक में उन्होंने रामपुर के नवाब परिवार के दबदबे को चुनौती देकर मजदूरों और रिक्शा चालकों के संगठन बनाए। सपा के साथ उनका गठजोड़ लंबा चला, लेकिन 2019 से शुरू हुए मुकदमों ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया। भूमि हड़पने, नफरत फैलाने और धोखाधड़ी जैसे 100 से ज्यादा केसों में वे जेल पहुंचे। जेल में रहते हुए उनकी सियासी साख को भी बट्टा लगा। रामपुर सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी ने अपना परचम लहराया। 2024 लोकसभा चुनाव में भी वे जेल से ही अपने करीबी को टिकट दिलवाना चाहते थे, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी को टिकट दिया। कहा जाता है कि इस बात से आजम खान नाराज हैं। जेल से बाहर आने के बाद रामपुर में उनका स्वागत भव्य होगा, क्योंकि मुस्लिम बहुल इलाके में उनका प्रभाव अभी भी मजबूत है। लेकिन लंबी कैद ने उनकी सियासी पूंजी को कमजोर किया है।

अब सवाल उठ रहा है कि रिहाई के बाद क्या वे अखिलेश को मजबूत करेंगे या बगावत करेंगे? सपा ने आजम को समर्थन दिया, लेकिन कई नेताओं का मानना है कि अखिलेश ने उन्हें “साइडलाइन” किया। अगर आजम सपा में रहते हैं, तो वे मुस्लिम-यादव गठजोड़ को मजबूत कर सकते हैं। लेकिन अगर बगावत हुई, तो रामपुर-मुरादाबाद में सपा का वोटबैंक बंट सकता है।

सियासी गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा आजम के संभावित नए गठबंधनों की हो रही है। भिम आर्मी प्रमुख और आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ हाथ मिलाने की अटकलें तेज हैं। 2024 में आजाद ने नागिना लोकसभा सीट पर दलित-मुस्लिम फॉर्मूले से जीत हासिल की। नवंबर 2024 में आजाद ने सीतापुर जेल में आजम से मुलाकात की, और उनके परिवार से भी बातचीत की। आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्षने कहा, “आजम का परिवार मुस्लिम समुदाय में प्रभावशाली है। दलित-मुस्लिम भाईचारा मजबूत होगा, जो 2027 चुनावों में गेमचेंजर साबित हो सकता है। दूसरी ओर, ए आइ एम आइ एम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी आजम के पुराने समर्थक रहे हैं। अगर आजम ए आइ एम आइ एम से जुड़ते हैं, तो यह भाजपा और सपा दोनों के लिए चुनौती बनेगा। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि आजम की रिहाई से मुस्लिम राजनीति में नया ध्रुवीकरण हो सकता है। आजाद समाज पार्टी या ए आइ एम आइ एम से गठजोड़ सपा को कमजोर करेगा, लेकिन भाजपा के लिए वोट बंटवारा फायदेमंद होगा।” परन्तु अगर वे सपा में रहकर अखिलेश को सपोर्ट करते हैं, तो मुस्लिम वोटबैंक एकजुट रहेगा। लेकिन नया गठबंधन बनता है, तो दलित-मुस्लिम गठजोड़ इंडिया ब्लॉक को चुनौती देगा। भाजपा इसे अपने फायदे में देख रही है, क्योंकि विपक्षी वोट बंटेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि आजम का फैसला उनके स्वास्थ्य और परिवार की स्थिति पर निर्भर करेगा। तजीन फातमा ने हाल ही में कहा कि पार्टी से कोई समर्थन नहीं मिला, जो बेरुखी का संकेत है। कुल मिलाकर, आजम खान की सियासत “एक अनार सौ बीमार वाली कहानी बन चुकी है, लेकिन उनकी वापसी रोहिलखंड क्षेत्र को हिला सकती है। आने वाले दिनों में उनकी चालाकी पर सबकी नजरें टिकी हैं। 18 सितंबर को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद से ही आजम की रिहाई की उम्मीदें परवान चढ़ने लगीं। साथ ही आजम खां के नए सियासी ठौर की चर्चाएं भी शुरू हो गईं। उनका बसपा में जाने की चर्चा है । यह चर्चा अनायास नहीं है। इसके पीछे राजनीतिक जानकार बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती और तजीन फात्मा की मुलाकात बताते हैं। चर्चा है कि पिछले दिनों दिल्ली में दोनों की मुलाकात हुई थी। वार्ता के केंद्र बिंदु में आजम खां ही रहे। अब इस मुलाकात की चर्चाएं सियासी गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक में होने लगी हैं। जानकार इस सियासी मुलाकात को आजम खां-तजीन फात्मा के पिछले बयानों से जोड़कर देख रहे हैं। जो बताते हैं कि दोनों का मिलना इत्तेफाक नहीं है। इससे पहले सीतापुर जेल में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने आजम खां से मुलाकात कर दलित-मुस्लिम गठजोड़ की सियासत को हवा दी थी। राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि आजम का अगला कदम उनके स्वास्थ्य और परिवार की राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करेगा। वैसे आजम खां के नजदीकी यह दावा भी करते हैं कि तजीन फात्मा पिछले कई माह से दिल्ली नहीं गई हैं। इस वजह से उनकी मायावती से मुलाकात की बात में कोई दम नहीं है।

अब जब आजम खां के बसपा में शामिल होने की चर्चाएं लखनऊ से लेकर दिल्ली तक घूम रही हैं तब इस संबंध में मीडिया ने जब अखिलेश यादव से सवाल किया तो वह हंस कर टाल गए। सपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि आजम खां के लिए सपा ही सबसे मुफीद है। उनके लिए दूसरे दलों में अपने अंदाज में काम कर पाना मुश्किल होगा। इसलिए कहीं नहीं जाएंगे, सपा में ही रहेंगे। इस बारे में पूर्व सांसद डॉ। एसटी हसन का कहना है कि आजम खां सपा के संस्थापक सदस्य रहे हैं। उनके किसी भी पार्टी में जाने की चर्चाएं पूरी तरह से निराधार हैं। उनके किसी भी पारिवारिक सदस्य की किसी भी नेता से मुलाकात की तस्वीर नहीं आई है। आजम खां सपा में हैं और सपा में ही रहेंगे। अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न तो बसपा प्रमुख की ओर से और न ही तजीन फात्मा की ओर से। सिर्फ चचाओं के आधार पर अटकलें लगाई जा रही है।

जेल से बाहर आये आजम की चुप्पी ने बढ़ाया सियासी पारा

-अजय कुमार

कद्दावर नेता आजम खान 23 माह के बाद जेल से बाहर आ गये। रिहाई के बाद उन्होंने अभी तक मुंह नहीं खोला है, लेकिन आजम को लेकर राजनीति के गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कोई उनके बहुजन समाज पार्टी के साथ तो कोई ओवैसी के साथ जाने की बात कह रहा है। उधर, समाजवादी पार्टी आजम की रिहाई पर मुखर होकर खुशियां नहीं मना रही है, इससे लगता है कि अब आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के लिए प्रासंगिक नहीं रह गये हैं। इसकी वजह भी है आजम एक कट्टर मुस्लिम नेता के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। उधर, बीजेपी हिन्दू वोटरों को एकजुट करने में लगी है, ऐसे में आजम की कट्टर छवि के चलते उनको साथ लेने पर समाजवादी पार्टी को गैर मुस्लिम वोट बैंक छिड़कने की संभावना रहती है। इसी से बचने के लिये आजम खान से समाजवादी पार्टी थोड़ी दूरा बनाकर चल रही है ।आजम खान के पास रिहाई के बाद सपा से दूरी बनाकर अपनी राजनीति चमकाने के और कौन कौन से विकल्प बचे है, इस पर बारीकी से नजर दौड़ाने पर जो तस्वीर उभर कर सामने आती है। वह कुछ इस प्रकार की हो सकती है।

करीब दो साल बाद आजम खान की रिहाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गयी है। तेईस महीनों तक जेल की सलाखों के पीछे रहकर बाहर आये आजम खान ने बाहर आते ही खामोशी अख्तियार कर रखी है। यह खामोशी अपने आप में बहुत गहरी है, क्योंकि एक ओर जहां उनके समर्थक यह इंतजार कर रहे हैं कि वह कोई राजनीतिक संकेत देंगे, वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी में उनके लिये ठंडी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी आजम की रिहाई पर कोई बड़ा बयान नहीं दिया, न ही पार्टी ने ढोल नगाड़ों के साथ इस अवसर को राजनीतिक उत्सव बनाया। इस स्थिति को देखकर यह सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि आजम खान अब समाजवादी पार्टी की राजनीति में पहला विकल्प नहीं रह गये हैं।

गौरतलब हो, आजम खान ने अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा के दौरान यह छाप बनाई है कि वह एक बेहद मजबूत, कट्टर और मुखर मुस्लिम नेता हैं। रामपुर से लेकर लखनऊ तक उनके भाषणों और उनकी पहचान हमेशा अल्पसंख्यक राजनीति से मजबूती से जुड़ती रही है। इसी वजह से जब भी मुस्लिम वोट बैंक को लामबंद करने की चर्चा होती है, तो आजम खान का नाम सबसे ऊपर आता है। मगर उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीति में सपा की रणनीति मुस्लिम समेत अन्य जातियों को साथ लाकर सत्ता पर वापसी की है। भाजपा लगातार हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कर रही है। ऐसे समीकरण में पार्टी के लिये आजम खान की कट्टर मुस्लिम नेता वाली छवि कहीं न कहीं चुनौती बन सकती है, क्योंकि भाजपा इस छवि को कठघरे में खड़ा कर गैर मुस्लिम वोटरों को अपने पास पूरी तरह खींचने की कोशिश करेगी। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अब जेल से बाहर आये आजम खान अपनी राजनीति किस दिशा में ले जाते हैं। अगर समाजवादी पार्टी ने उनसे दूरी बना ली, तो उनके पास रणनीतिक तौर पर कौन कौन से नए रास्ते बचते हैं।

सबसे पहला रास्ता बहुजन समाज पार्टी की ओर जाता दिखता है। बसपा की मौजूदा राजनीति मुस्लिम और दलित के गठजोड़ पर टिकी हुई है। मायावती लगातार इस फामूर्ले को आगे रखने की कोशिश कर रही हैं। मगर बसपा के पास वह तेजतर्रार मुस्लिम चेहरा नहीं है जो आजम खान जैसे कद्दावर नेता की सियासी ताकत को दर्शा सके। ऐसे में यदि आजम मायावती के साथ कदम मिलाते हैं, तो बसपा को लाभ मिल सकता है और आजम को भी अल्पसंख्यकों के बीच अपनी जमीन मजबूत करने का प्लेटफार्म मिल जायेगा। दूसरा रास्ता असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन का है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत की राजनीति में मुसलमानों को अपने पक्ष में करने की लगातार कोशिश की है। मगर उनकी पार्टी अभी तक यहां बहुत बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई है। अगर आजम खान जैसे नेता ओवैसी के साथ आते हैं, तो मुस्लिम राजनीति को एक नया स्वरूप मिल सकता है। रामपुर, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में यह गठजोड़ असर दिखा सकता है। हालांकि इसके साथ यह भी सच है कि अगर आजम खान पूरी तरह मुस्लिम राजनीति में केंद्रित हो जाते हैं, तो उन्हें व्यापक गठजोड़ का हिस्सा बनने से दूरी झेलनी पड़ सकती है।

तीसरा विकल्प यह है कि आजम खान अपनी अलग राजनीतिक पार्टी खड़ी करें। उत्तर प्रदेश में कई नेताओं ने यह रास्ता अपनाया है, लेकिन बहुत कम को सफलता मिली है। मुलायम सिंह यादव, कांशीराम और मायावती जैसे नेताओं ने अलग मंच लेकर बड़ा विस्तार किया, पर इसके लिये व्यापक जनाधार और संगठनात्मक क्षमता की जरूरत होती है। आजम खान के पास रामपुर और उसके आसपास प्रभावशाली जनाधार है, लेकिन पूरे प्रदेश में उन्हें एक व्यापक समर्थन खड़ा करने की चुनौती होगी। हालांकि अगर वह यह कदम उठाते हैं, तो यह मुस्लिम राजनीति के लिहाज से एक बड़े प्रयोग जैसा होगा। इसके अलावा चौथा मार्ग हुये गठबंधन की राजनीति हो सकता है। आजम न तो अकेले बसपा में शामिल हों, न ही ओवैसी की पार्टी में समा जायें, बल्कि इन सबके बीच गठजोड़ का सूत्रधार बनें। मुस्लिम राजनीति के दल और कुछ छोटे नेताओं को वे मिलाकर एक साझा मंच खड़ा कर सकते हैं। इस तरह वह न सिर्फ अपने भविष्य को सुरक्षित करेंगे, बल्कि प्रदेश की सत्ता समीकरणों में महत्वपूर्ण कारक भी बन सकते हैं। वहीं यह भी हो सकता है कि आजम खान सक्रिय राजनीति से दूरी बनाकर खुद को एक बड़े मार्गदर्शक की भूमिका में ढालें और अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करें। आजम की उम्र अब उस पड़ाव पर है जहां लंबे संघर्ष के बाद एक वरिष्ठ नेता के रूप में वह अपनी परंपरा और अनुभव को युवा चेहरों तक पहुंचा सकते हैं। मगर आजम खान की अब तक की राजनीति को देखकर लगता है कि वह इतनी जल्दी राजनीतिक जीवन से संन्यास नहीं लेंगे। वैसे एक विकल्प कांग्रेस के साथ जाने का भी है, उसके साथ जाकर आजम इडिया गठबंधन के हिस्सेदार बन सकते हैं।

आजम की खामोशी, दरअसल बहुत कुछ बयां कर रही है। जेल से बाहर आने के बावजूद उन्होंने तुरंत कोई राजनीतिक बयान नहीं दिया। यह हो सकता है कि वह देखना चाह रहे हों कि समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव की तरफ से उन्हें किस तरह का संकेत मिलता है। अगर सपा लंबे समय तक खामोश रहती है, तो वह मजबूर होकर नया रास्ता तलाश सकते हैं। वर्तमान दौर में उत्तर प्रदेश की राजनीति मुख्यतः भाजपा और सपा के बीच सीमित होकर रह गयी है। मायावती की पार्टी कमजोर हुई है और कांग्रेस प्रभावहीन। ऐसे में आजम खान अपने विकल्पों को जिस दिशा में ले जायेंगे, वह सिर्फ उनकी ही राजनीति तय नहीं करेगी, बल्कि प्रदेश के चुनावी समीकरणों पर भी असर डालेगी। अगर वह सपा से दूर होकर नया रास्ता अपनाते हैं, तो भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठजोड़ की मजबूती या कमजोरी दोनों में उनकी भूमिका अहम रहेगी। फिलहाल, आजम खान की रणनीति इंतजार और नजर रखने वाली लग रही है। वह यह समझना चाह रहे हैं कि मौजूदा समय में कौन सा रास्ता उन्हें ज्यादा सियासी फायदा देगा और उन्हें उनकी पुरानी सियासी ताकत दिला सकता है। अगले कुछ महीनों में यह साफ हो जाएगा कि आजम खान किस राह पर चलेंगे, लेकिन इतना तय है कि उनकी मौन साधना ने प्रदेश की राजनीति को एक नई बेचैनी और चर्चा का विषय जरूर दे दिया है।

आजम नहीं छोड़ेगें समाजवादी पार्टीः शिवपाल

-संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और रामपुर से विधायक आजम खान की लंबी कानूनी जद्दोजहद के बाद रिहाई ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है। आजम खान अब समाजवादी नहीं रहेंगे,इसको लेकर भी चर्चा तेज है, हालांकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से इस पर अब तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने आजम की रिहाई के बाद इटावा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए इस पूरे घटनाक्रम पर बयान दिया। उन्होंने साफ कहा कि आजम खान समाजवादी पार्टी के साथ ही बने रहेंगे और किसी अन्य दल में नहीं जाएंगे। यह बयान उस समय अहम माना जा रहा है जब पार्टी के भीतर खींचतान और बदलते समीकरणों पर लगातार चर्चा होती रही है।

आजम खान पिछले कई महीनों से कानूनी मामलों के चलते जेल में बंद थे। रामपुर से लेकर लखनऊ और सुप्रीम कोर्ट तक उनकी कानूनी लड़ाई चर्चा में रही। उन्हें सपा का अहम मुस्लिम चेहरा माना जाता है, जिनकी पकड़ सिर्फ पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में मुस्लिम जनमानस पर असर डालती है। उनकी रिहाई के बाद अनुमान लगाया जा रहा था कि क्या वे किसी नए सियासी रास्ते की तलाश करेंगे। मगर शिवपाल सिंह यादव के बयान ने इस अटकल पर रोक लगाने की कोशिश की है। शिवपाल ने कहा कि आजम खान सपा की विरासत का अहम हिस्सा रहे हैं और आगे भी रहेंगे। उनके मुताबिक आजम खान जैसे साथी को पार्टी कभी छोड़ नहीं सकती और न ही वे पार्टी को छोड़ेंगे।

आजम खान जैसे वरिष्ठ नेता की रिहाई पर जहां कई सपा कार्यकर्ता और स्थानीय नेता अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं, वहीं अखिलेश यादव की खामोशी राजनीति के गलियारों में अलग ही चर्चा का विषय बनी हुई है। विपक्षी दलों के नेता इसे सपा के अंदरूनी असंतोष की तरफ इशारा मान रहे हैं। भाजपा और बसपा खेमे में यह चर्चा है कि अखिलेश कहीं आजम खान के बढ़ते असर को लेकर सतर्क तो नहीं हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश यादव की चुप्पी एक रणनीति का हिस्सा हो सकती है। वे ऐसे वक्त पर बयान देना चाहते होंगे जब राजनीतिक माहौल उनके पक्ष में हो। आजम खान का नाम हमेशा सपा की मुस्लिम राजनीति के केंद्र में रहा है। वे पार्टी के संस्थापकों में से एक माने जाते हैं और समाजवादी आंदोलन से गहराई से जुड़े हुए हैं। मुलायम सिंह यादव से लेकर अखिलेश यादव तक, हर दौर में उनकी भूमिका अहम रही। यही कारण है कि उनकी रिहाई न सिर्फ सपा के कार्यकताओं के लिए राहत की खबर है, बल्कि आने वाले चुनावी समीकरणों पर भी असर डाल सकती है। शिवपाल यादव का बयान संकेत देता है कि वे आजम खान के जरिए मुस्लिम वोटबैंक को बिखरने से बचाना चाहते हैं। उन्होंने यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि आजम जैसे नेता पार्टी से नाराज नहीं हैं और वे सपा के साथ बने रहेंगे।

रामपुर, जिसे मिनी पाकिस्तान भी कहा जाता है, हमेशा से आजम खान का गढ़ रहा है। वहां की राजनीति में उनकी पकड़ इतनी मजबूत रही है कि विरोधी दलों के लिए वहां पैर जमाना हमेशा मुश्किल रहा है। उनकी रिहाई से रामपुर में सियासत का समीकरण फिर से बदल सकता है। साथ ही, पश्चिमी यूपी में जहां पर सपा और रालोद का गठबंधन मुस्लिम-जाट एकता पर आधारित होता है, वहां आजम खान की सक्रियता चुनावी नतीजों पर सीधे असर डाल सकती है। आजम खान को लेकर भाजपा का रुख अब तक आक्रामक रहा है। कानूनी कार्रवाइयों में उनकी मुश्किलें बढ़ाने वाले ज्यादातर कदम भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही उठे। लेकिन अब उनकी रिहाई के बाद भाजपा यह कोशिश करेगी कि वे एक सीमित राजनीति तक ही सिमटकर रह जाएं। वहीं कांग्रेस और बसपा भी मुस्लिम वोटरों को अपने पाले में खींचने की कवायद करती रही हैं। ऐसे में सपा के लिए यह जरूरी होगा कि आजम खान पार्टी के भीतर सक्रिय बनाए रखें और उनका असंतोष बाहर न झलके।

बहरहाल, शिवपाल यादव का यह कहना कि आजम खान पार्टी नहीं छोड़ेंगे, सपा की एकजुटता को दिखाने का प्रयास है। मगर ध्यान देने वाली बात यह है कि हाल के वर्षों में सपा और आजम खान के बीच विश्वास का माहौल कमजोर पड़ा है। कई बार ऐसी रिपोर्टें आईं कि वे पार्टी नेतृत्व से नाराज हैं। उनकी चुप्पी और दूरी बनाने की रणनीति को इसी नजरिए से देखा जाता रहा है। अब जब शिवपाल सार्वजनिक तौर पर यह दावा कर रहे हैं कि उनका पार्टी से बाहर जाने का सवाल ही नहीं उठता, यह संदेश कार्यकताओं के बीच उत्साह भरने का भी प्रयास है। इसके साथ ही यह ऐलान अखिलेश यादव के नेतृत्व को मजबूत करने और मुस्लिम वोट बैंक को सपा के साथ बनाए रखने का भी हिस्सा माना जा सकता है। कुल मिलाकर, आजम खान की रिहाई ने सपा की राजनीति में नये सिरे से हलचल पैदा कर दी है। अखिलेश यादव की खामोशी और शिवपाल यादव की सक्रियता इस बात का संकेत देती है कि पार्टी फिलहाल अंदरूनी असंतोष को सार्वजनिक विवाद बनने से रोकना चाहती है। आने वाले दिनों में यह देखना रोचक होगा कि आजम खान अपनी रिहाई के बाद किस तरह की राजनीतिक भूमिका निभाते हैं और क्या अखिलेश यादव इस मुद्दे पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया देकर अपने नेताओं और कार्यकताओं को एकजुट करने का प्रयास करेंगे।

AIOCD ने ऐतिहासिक GST 2.0 सुधार का स्वागत किया

ठाणे/नवी मुंबई। देशभर के 12.5 लाख से अधिक केमिस्टों और वितरकों का प्रतिनिधित्व करनेवाला ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स , ऐतिहासिक GST 2.0 सुधार का हार्दिक स्वागत करता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी तथा भारत सरकार के प्रति आभार प्रकट करता है। इस सुधार के अंतर्गत दवाओं पर GST 12% और 18% से घटाकर 5% कर दिया गयाहै। कैंसर एवं जीवन रक्षक दवाओं को पूर्णतः करमुक्त किया गया है। यह संवेदनशील एवं दूरदर्शी निर्णय न केवल सरकार की मरीजों के कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है, बल्कि लाखों भारतीयों के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। AIOCD के अध्यक्ष जे. एस. शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने बताया कि: " AIOCD इस ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है और देशभर में इसके सुचारू क्रियान्वयन हेतु पूर्ण प्रतिबद्ध है । हमारे केमिस्ट इस लाभ को पारदर्शी तरीके से सीधे मरीजों तक पहुँचाएँगे और हमारे आदर्श वाक्य —'Patients First & Always' की पुनःपुष्टि करेंगे। दवा कंपनियों, सॉफ्टवेयर विक्रेताओं और राज्य संगठनों के साथनिरंतर समन्वय कर एकरूप कार्यान्वयन सुनिश्चित करना। भारत भर के 12.5 लाख से अधिक केमिस्ट प्रतिदिन 140 करोड़ नागरिकों कोआमने-सामने सेवा प्रदान करते हैं। AIOCD सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हुए इसपरिवर्तनकारी सुधार को सफलतापूर्वक लागू करने और इसके लाभ सीधे मरीजोंतक पहुँचाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

जगदंबिका पाल ने नवी मुंबई स्थित कमलेश बाबूलाल परिहार की मुलाकात किया

मयूर सोनी/मुंबई/उत्तरशक्ति। अखिल मुंबई श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज(राज) सेक्रेटरी कमलेश बाबूलाल परिहार के नवी मुंबई वाशी स्थित बाबुल ज्वेलर्स शॉप पर राजसभा मेंबर और माजी मुख्यमंत्री जगदंबिका पाल,असम एम पी सुजीतकुमार ने शुभेच्छा मुलाकात किया और परिवारिक मुलाकात किया।

त्र्यंबकेश्वर में पत्रकारों पर हुये हमले का भिवंडी के पत्रकारों ने विरोध करते हुये सौपा ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शनिवार 20 सितंबर को महाकुंभ मेले के संबंध में आयोजित एक बैठक के समाचार संकलन करने नासिक से त्र्यंबकेश्वर गए समाचार चैनल के प्रतिनिधि योगेश खरे, अभिजीत सोनवणे और किरण ताजणे पर स्वामी समर्थ केंद्र के पास पार्किंग में काम कर रहे गुंडों ने लात-घूसों और पत्थरों से बेरहमी से हमला किया। हमले में किरण ताजणे गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिसका इलाज चल रहा है। भिवंडी शहर के पत्रकारों ने इस घटना का विरोध किया है और उप-विभागीय अधिकारी और पुलिस उपायुक्त को दिए गए ज्ञापन में पत्रकार सुरक्षा अधिनियम के तहत हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। भिवंडी महानगर पत्रकार संघ और वाइस आफ मीडिया ने संजय भोईर और संतोष चव्हाण के नेतृत्व में फारूक मेमन, शरद भसाले, अबूबकर, मोनीश गायकवाड़, अशोक पाटोले, अभिजीत हीरे, अनिल गजरे, भूपेंद्र अंबावने और दीपक विश्वकर्मा शामिल थे। पत्रकार समाज में सच्ची घटनाओं की आवाज बनते हैं वे अन्याय, भ्रष्टाचार और सामाजिक मुद्दों को प्रकाश में लाने के लिए दिन-रात काम करते हैं। पत्रकारों पर इस तरह के हमलों को लोकतंत्र पर एक धब्बा बताते हुए मांग की कि इस मामले में सभी हमलावरों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा विशेष उपाय किए जाएं और सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक ठोस और प्रभावी नीति तैयार की जानी चाहिये।

टाटा एआईए ने लॉन्च किया शुभ महा लाइफ: जीवन के हर पड़ाव के लिए संपूर्ण जीवन बचत योजना

मुंबई/पटना। जीवन के हर पड़ाव पर जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं। युवावस्था में, परिवार की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है, जैसे कि, लोन चुकाना, बच्चों की शिक्षा और उनका भविष्य सुरक्षित करना। इस आयु में, प्रियजनों को अनिश्चितताओं से बचाने के लिए एक मजबूत जीवन बीमा बेहद जरूरी है। जैसे-जैसे सेवानिवृत्ति नजदीक आती है, जरूरतें बदलती हैं। बच्चे स्वतंत्र होते हैं, कर्ज. चुकाए जाते हैं, और एक आरामदायक, चिंतामुक्त सेवानिवृत्त जीवन के लिए एक स्थिर आय बनाने पर ध्यान केंद्रित होता है। यह बदलाव एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है: आज की सुरक्षा की जरूरत और भविष्य की वित्तीय स्वतंत्रता के लक्ष्य के बीच संतुलन कैसे बनाया जाएं? इस प्रश्न के समाधान के लिए, भारत की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने लॉन्च की है टाटा एआईए शुभ महा लाइफ योजना।

मिआ बाए तनिष्क ने पटना में अपने उपभोक्ताओं के लिए किया एक शानदार शाम का आयोजन

मुंबई/पटना। भारत के अग्रणी फाइन ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, मिआ बाए तनिष्क ने पटना के लेमन ट्री होटल में मनाया मिआ रनवे स्टार। पटना के उपभोक्ताओं के साथ अपने जुड़ाव को और भी मजबूत करने के लिए ब्रांड ने यह विशेष आयोजन किया था। मिआ बाए तनिष्क के लिए पटना एक प्रमुख मार्केट है, यहां के युवा, महत्वाकांक्षी उपभोक्ता इस ब्रांड को खूब पसंद करते हैं, पटना के लोगों की बदलती पसंद और मिआ बाए तनिष्क के सिद्धांतों का मिलाप बहुत ही खूबसूरत है। फेस्टिव सीजन जल्द ही शुरू होगा, पटना के उपभोक्ताओं की नयी पसंद और जरूरतों को पूरा करने के लिए मिआ बाए तनिष्क पूरी तरह तैयार है।

भिवंडी में 3.50 लाख रुपये का गांजा बेचने की फिराक में दो अपराधियों को क्राइम ब्रांच पुलिस ने किया गिरफ्तार

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में क्राइम ब्रांच पुलिस टीम द्वारा चलाए गए एक अभियान में दो लोगों को गिरफ्तार करने और उनके पास से बेचने के लिए लाया गया 3.54 लाख रुपये मूल्य का 4 किलोग्राम गांजा एक अवैध पिस्तौल एक जिंदा कारतूस जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। बतादें कि अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे ने बताया कि 17 सितंबर को अपराध शाखा के सहायक पुलिस उप-निरीक्षक सुनील सालुंखे को एक गोपनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति भिवंडी और ताड़ाली रोड के बीच गांजा बेचने आएंगे। जिसकी जानकारी अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे को दी। उनके मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीराज माली, मिथुन भोईर, पुलिस उपनिरीक्षक रवींद्र बी पाटिल, राजेश शिंदे,

रामचन्द्र जाधव, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक

सुनील सालुंके, सुधाकर चौधरी, पुलिसकर्मी नीलेश बोरसे, साबिर शेख, सुदेश घाग, किशोर थोरात, वामन भोईर, राजेश गावड़े, माया डोंगरे, अमोल इंगले, भावेश घरत, सर्फराज तड़वी, रवींद्र सालुंखे ने पंच की उपस्थिति में उक्त स्थान पर जाल बिछाया और छापेमारी की वहां प्रशांत उर्फ सलाद सुरेश तायडे, उम्र 27 वर्ष, निवासी टिटवाला, कल्याण और सोहेल उर्फ पित्तल इरफान अली अंसारी, उम्र 20 वर्ष, निवासी भिवंडी को 4 किलो 827 ग्राम गांजा और एक यामाहा कंपनी के फैसिनो स्कूटर के साथ गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ भिवंडी सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि जब क्राइम ब्रांच की टीम यह पता लगा रही है कि आरोपी मादक पदार्थ गांजा बेचने के लिए कहाँ से लाया था, तभी आरोपी प्रशांत उर्फ सलाद सुरेश तायडे के घर की तलाशी के दौरान एक अवैध माउजर पिस्तौल और एक ज़िंदा कारतूस भी बरामद हुआ। इस अपराध में कुल 3,85,100 रुपये का माल जब्त किया गया है। क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे ने बताया कि दोनों आरोपियों को भिवंडी कोर्ट में पेश कर 24 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

पोषण माह के अवसर पर स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर का आयोजन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पोषण माह के अंतर्गत स्माइल फाउंडेशन ने महाराष्ट्र शासन गृहप्रमुख माता रमाई आंबेडकर मुलींचे शासकीय वसतिगृह, चेंबूर में एक दिवसीय स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर का सफल आयोजन किया। इस शिविर में कुल 85 लाभार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को डॉ. साईप्रसाद ने संतुलित आहार और पोषण संबंधी जानकारी दी। सभी छात्राओं की हिमोग्लोबिन और वजन जांच की गई तथा उन्हें कैल्शियम और मल्टीविटामिन की दवाइयाँ प्रदान की गईं। इसके साथ ही व्यक्तिगत काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर वसतिगृह इंचार्ज सविता मैडम, उनकी सहायक सायली मैडम और नीता मैडम उपस्थित रहीं। वहीं स्माइल फाउंडेशन की टीम से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर पूर्णिमा दुबे, डॉ. साईप्रसाद, नर्स शिल्पा, प्रतीक्षा और सागर फाळके ने शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया। स्माइल फाउंडेशन का उद्देश्य ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं में स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना है।

नालासोपारा भाजपा शिक्षक सेल ने आयोजित की संगोष्ठी

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। देश के पंतप्रधान नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में पखवाड़ा कार्यक्रम चल रहा है।

इसी सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा नालासोपारा मंडल शिक्षक सेल के संयोजक योगेंद्र सिंह कौशिक ने प्रबुद्ध जनों के लिए रविवार 21 सितंबर को उजाला हाउस पर,,मोदी के सपनों का भारत विकसित भारत,, विषय को लेकर एक गोष्ठी का आयोजन किया गोष्ठी में बड़ी संख्या में शिक्षकों डॉक्टरों तथा इंजीनियरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई , गोष्ठी के विषय पर महाराष्ट्र भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अजीत सिंह मंडल अध्यक्ष सुनील तिवारी , विस्तारक अशोक यादव , डॉक्टर विनय सिंह , नरेंद्र सिंह , शेषनाथ तिवारी , के.आर. सिंह , ध्रुव पांडे, विनय सिंह ने अपने विचार व्यक्त किया मंडल उपाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी भारत में ही नहीं विश्व में विकास पुरुष के नाम से जाने जाते हैं।

विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन किया और भारत विश्वगुरू के तरफ अग्रसर हो रहा है।

भाजपायों ने कांग्रेसी पदाधिकारी को पहनाया साड़ी

मोदी का एडिटिंग पोस्ट पर हुआ बवाल

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में उस समय बवाल मच गया जब एक कांग्रेसी वरिष्ठ पदाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी का एडिट किया हुआ एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया ।

इस पोस्ट से नाराज भाजपा के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ कांग्रेसी पदाधिकारी को जबरन साड़ी पहनाया और उसका वीडियो बनाकर शोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कुछ ही समय मे कल्याण से लेकर डोंबीवली तक कांग्रेसियों में भारी नाराजगी फैल गई । मिली जानकारी के अनुसाए डोंबीवली के एक वरिष्ठ कांग्रेसी पदाधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में एक एडिटिंग किया हुआ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी और अपने स्टेटस पर भी वह फोटो लगा दिया, जिससे नाराज होकर भाजपा पदाधिकारी ने उन्हें साड़ी पहना दी. इतना ही नही भाजपा के नाराज पदाधिकारियों ने स्थानीय मानपाडा पुलिस में जाकर मोदी के बारे में गलत पोस्ट करने वाले कांग्रेसी पदाधिकारी प्रकाश उर्फ मामा पगारे के खिलाफ लिखित शिकायत भी की है।

कांग्रेस: इस घटना से नाराज कांग्रेसी नेता सचिन पोटे ने पत्रकारों से कहा है कि भाजपा द्वारा की गई घटना निंदनीय है हम इसका जोरदार विरोध करते है। अगर प्रधानमंत्री मोदी का पोस्ट गलत था तो पुलिस में शिकायत की जानी चाहिए थी । इस तरह वरिष्ठ पदाधिकारी का अपमान करना गलत है । हम डीसीपी को इस विषय में शिकायत करेंगे ।

भाजपा: इस पूरे मामले में जब भाजपा कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब से बात किया गया तो नंदू परब ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री का अपमान एक वरिष्ठ कांग्रेसी पदाधिकारी अगर करेगा तो ऐसी घटना बार बार होगी हमे कोई पछतावा नही है। और भाजपा के लोग प्रधानमंत्री का अपमान बर्दास्त नही करेंगे।

ओस्तवाल नगरी में भाजपा नेता हरिकेश तिवारी द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच का आयोजन

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में पखवाड़ा कार्यक्रम चल रहा है , इसी सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा नालासोपारा मंडल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया । इस निशुल्क जांच कार्यक्रम में सैकड़ो नागरिकों ने भाग लिया नालासोपारा (पूर्व) स्थित ओस्तवाल नगरी के बीजेपी जनसंपर्क कार्यालय में दिनांक 21 सितंबर 2025 को मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक हरिकेश तिवारी और हितेश दुबे ने किया था।

हरिकेश तिवारी ने बताया इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा लोगो ने मेडिकल कैंप का लाभ लिया हैं । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में पूरे भारत वर्ष में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम चल रहा है। इसी श्रृंखला में मेडिकल कैंप शिविर सहित कुल 17 प्रकार कार्यक्रम तय किए गए हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे नालासोपारा विधायक राजन नाईक, जिला महामंत्री जोगेंद्र प्रसाद चौबे, पंकज देशमुख, जनक बारोट, किशन उपाध्याय, कमलेश खटावकर, स्नेहल कालसेकर व श्रीमती पुष्पा सोनी विशेष रूप से उपस्थिति रही।

स्वयंसिद्धि मित्र संघ महाविद्यालय में बालाराम चौधरी एक्यूपंक्चर उपचार केंद्र का उद्घाटन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के वरिष्ठ पूर्व नगरसेवक बालाराम चौधरी एक्यूपंक्चर उपचार केंद्र का उद्घाटन समारोह बडे उत्साह के साथ संपन्न किया गया। बतादें कि भिवंडी शहर के टेमघर पाड़ा स्थित स्वयंसिद्धि मित्र संघ एक्यूपंक्चर चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा उपचार केन्द्र शुरू किया गया है। बतादें कि इस केंद्र का उद्घाटन मनपा शिक्षण समिति के पूर्व सभापति सुंदर नाइक ने नामपट्ट का अनावरण और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पूर्व नगरसेवक बालाराम चौधरी, रोहित चौधरी, महाविद्यालय के कार्यकारी न्यासी सुरेश जैन, न्यासी पराग खांडेकर, एक्यूपंक्चर महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेश जाधव आदि लोग उपस्थित थे। इस केंद्र को शुरू करने की अवधारणा को क्रियान्वित करते हुए प्रबंधन ने इसका नाम बालाराम चौधरी के नाम पर रखने का निर्णय लिया जिन्होंने गरीबों की निरंतर मदद करने का बीड़ा उठाया था। अपने परिचय में न्यासी सुरेश जैन ने बताया कि इस चिकित्सा केंद्र के माध्यम से भिवंडी शहर और उसके आसपास के नागरिकों को सभी सेवाएँ निःशुल्क प्रदान की जाएगी। उद्घाटन कर्ता सुंदर नाइक ने कहा कि

समय की मांग है कि एक्यूपंक्चर चिकित्सा केंद्र में आकर बिना दवा के एक्यूपंक्चर विधि से इलाज किया जाएगा, लोग अपनी सेहत पर और ज्यादा दबाव न डालें और अतिरिक्त दवाइयाँ खाकर अपनी किडनी को नुकसान होने से बचाएँ। बालाराम चौधरी ने इस पहल के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया और कहा कि अगर यह केंद्र सफल रहा तो वे शहर में विभिन्न स्थानों पर ऐसे चिकित्सा केंद्र शुरू करने का विचार करेंगे। इस अवसर पर प्राचार्य सुरेश जाधव ने उपस्थित लोगों को एक्यूपंक्चर चिकित्सा के बारे में विस्तृत से जानकारी दिये।

दादर में फूल विक्रेताओं पर हो रही मनपा और पुलिस की कार्रवाई को रोकने की मांग

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पिछले चार दशक से दादर के फूल मार्केट में आदिवासी पारधी समाज के बड़ी संख्या में लोग फूल बेचकर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते आ रहे हैं। किंतु पिछले कुछ समय से आदिवासी पारधी समाज के लोग जो दादर में फूल बेचने का काम करते हैं। उन पर मनपा और पुलिस की ओर से संयुक्त कार्यवाही शुरू है। जिसके कारण आदिवासी पारधी समाज के लोगों के सामने रोजी रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे में आदिवासी पारधी महासंघ के मुंबई और नवी मुंबई के प्रदेश अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार और मानखुर्द शाखा अध्यक्ष सोमनाथ रावसाहेब पवार द्वारा दादर के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक से इस बारे में मुलाकात की गई। चर्चा के दौरान आदिवासी पारधी समाज के पिछले 30 से 40 वर्षों से फूलों का व्यवसाय कर अपना जीवन करने वालों पर की जा रही कार्यवाही को रोकने की मांग की गई। बता दें कि दादर में हजारों आदिवासी,पारधी समाज के लोग अपने परिवारों के साथ त्योहारों के मौसम में दिन-रात फूलों की लटें और माला बनाकर अपना गुजारा कर रहे हैं। यह समाज शिक्षा से वंचित है। जिसके कारण इन्हें रोजगार उपलब्ध नहीं हो पाता है। खास बात यह है कि इनमें से कुछ के पास आधार कार्ड नहीं हैं। जिसके कारण आदिवासी पारधी महासंघ की ओर से आदिवासी पारधी समाज के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को रोकने के लिए एक ज्ञापन दादर के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को सौंपा गया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए आदिवासी पारधी महासंघ के मुंबई और नवी मुंबई के प्रदेश अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने बताया कि आजादी के बाद से आज तक यह समाज विकास की मुख्य धारा से कोसों दूर है। मेहनत, मजदूरी करके इस समाज के लोग अपने परिवार का भरण पोषण करते आ रहे हैं। शिक्षा से वंचित इस समाज के उत्थान के लिए सरकार और राजनेताओं की ओर से कोई भी पहल नहीं की गई है। ऐसे में मेहनत करके अपने परिवार का जीवनयापन करने वाले आदिवासी पारधी समाज के लोगों पर कार्यवाही न किए जाने की मांग पुलिस और मनपा से की गई है।

येरवडा मध्यवर्ती कारागृह में व्यसनमुक्ति अभियान का आयोजन, 250 बंदियों ने लिया लाभ

मुंबई(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। दारू, गुटखा, तंबाखू व सिगरेट जैसे नशे जीवन को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से बर्बाद कर देते हैं। व्यक्ति अपनी भावनाओं और विचारों पर नियंत्रण खो देता है और अपराध की राह पकड़ लेता है। यही कारण है कि कारागृहों में बंद कैदियों को नशे के दुष्परिणामों से जागरूक करना बेहद आवश्यक है ताकि वे जेल से बाहर आने के बाद व्यसन मुक्त होकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें।

भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के निदेर्शानुसार संपूर्ण देशभर में 21 सितम्बर 2025 को व्यसनमुक्ति अभियान का आयोजन किया गया। इसी के अंतर्गत जीवनविद्या मिशन, मुंबई के आजीव विश्वस्त प्रल्हाद वामनराव पै की प्रेरणा से पुणे स्थित येरवडा मध्यवर्ती कारागृह में 20 सितम्बर को बंदियों के लिए प्रबोधनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जीवनविद्या मिशन के चतुरसिंह राजपूत, प्रशांत गोराडे तथा दत्तात्रय शिंदे ने व्यसनमुक्ति विषय पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में लगभग 250 बंदियों ने हिस्सा लेते हुए नशामुक्त जीवन का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुहास वारके (भा.पो.से) अपर पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक, कारागृह एवं सुधार सेवा, महाराष्ट्र राज्य तथा योगेश देसाई, विशेष कारागृह महानिरीक्षक, पुणे का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुनील एन. ढमाल (अधीक्षक, येरवडा मध्यवर्ती कारागृह, पुणे), पी. पी. कदम (अति. अधीक्षक), डॉ. बी. एन. ढोले (उपअधीक्षक), आर. ई. गायकवाड (उपअधीक्षक), एम. एच. जगताप (उपअधीक्षक), ए. एस. कांदे (वरिष्ठ तुरुंगाधिकारी) व बी. बी. मोट (तुरुंगाधिकारी श्रेणी-2) का विशेष योगदान रहा।

पालकमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में विक्रमगढ़ में जनता दरबार का आयोजन आज

पालघर(उत्तरशक्ति)। वनमंत्री व पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में 24 सितम्बर 2025 को सुबह 11 बजे विक्रमगढ़ पंचायत समिति सभागृह में जनता दरबार का आयोजन किया जायेगा। इस दरबार में पालकमंत्री स्वयं नागरिकों से सीधे संवाद साधेंगे और उनकी समस्याएं, शिकायतें व सुझाव सुनकर त्वरित समाधान के लिए दिशा-निर्देश देंगे।

इस अवसर पर नागरिकों की शिकायतों व अर्जियों के निवारण के लिए जिले के सभी विभागीय अधिकारी तथा कार्यालय प्रमुख मौजूद रहेंगे। पूर्व में आयोजित जनता दरबारों को नागरिकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिसाद दिया था और कई लंबित मामलों का मौके पर निपटारा हुआ था। 24 सितम्बर को विक्रमगढ़ पंचायत समिति में होने वाले इस जनता दरबार में नागरिक सीधे अपनी बात रख सकेंगे। प्रशासन की ओर से नागरिकों को आश्वस्त किया गया है कि उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं और प्रश्नों का समाधान इस जनता दरबार में प्राप्त करें।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जीएसटी स्लैब में बदलाव से पूरे देश को मिलेगा लाभ: गिरीश चंद्र यादव

कहा- जीएसटी सुधारों से रोटी-कपड़ा-मकान की कीमतें होंगी कम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार की ओर से जीएसटी स्लैब में किए गए सुधार पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक सिद्धार्थ उपवन मे एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिसको खेल और युवा राज्य मंत्री स्वंत्रत प्रभार गिरीश चंद यादव ने उपस्थित पत्रकारो को सम्बोधित किये। उन्होंने प्रेस वार्ता मे बोलते हुये कहा कि मे इस जीएसटी स्लैब में किए गये बदलाव का स्वागत करता हू। केंद्र सरकार के इस कदम से न केवल व्यापारियों और उपभोक्ताओं, बल्कि पूरे देश के लोगों को लाभ मिलेगा जिसकी चौतरफा प्रशंसा का जी रही है 22 सितंबर से अब केवल दो स्लैब में- 5% और 18% जीएसटी लगेगा, पीएम मोदी और निर्मला सीतारमण ने नवरात्रि, दिवाली और छठ पूजा से पहले देश को एक बड़ा दिवाली उपहार दिया है हम इसे बचत उत्सव के रूप में मना रहे हैं। जीएसटी 2.0 अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से रोटी-कपड़ा-मकान की कीमतें कम होंगी।

उन्होंने आगे कहा कि ये सुधार किसानों, युवाओं, महिलाओं और हर वर्ग के लोगों के लिए फायदेमंद हैं, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक सामान से लेकर स्वास्थ्य उत्पादों, शिक्षा से संबंधित सामानों और वाहनों तक सब कुछ सस्ता हो जाएगा यह न केवल कर दरों को कम करेगा, बल्कि सरलीकरण भी लाएगा। क्योंकि अब केवल दो स्लैब होंगे। कुल मिलाकर, यह एक 'गुड एंड सिंपल टैक्स' है, जो 'ग्रेट सेविंग्स और टैक्स कम' का फॉर्मूला है। इन सुधारों को 'बचत उत्सव' बताते हुए कहा कि इससे सामानों की कीमतें 15-20% तक कम हो जाएंगी एक आम महिला के घर का बजट 15-20% तक सस्ता हो जाएगा। समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिलेगा। मै इन सुधारों का श्रेय पीएम मोदी को देता हूँ,

पीएम मोदी ऐसे सुधार लाए हैं। जिससे दुकानदारों का सिरदर्द खत्म हो गया है और कई चीजें सस्ती हो जाएंगी, जिससे आम लोगों को बहुत फायदा होगा महंगाई भी नियंत्रण में आएगी उन्होंने यह भी कहा कि लगभग 90% खाद्य और पेय पदार्थों पर शून्य टैक्स है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जब भारत के भविष्य और हमारे लोगों के कल्याण की बात आती है, तो प्रधानमंत्री मोदी कम से कम 50 साल आगे सोचते हैं ये सुधार हर वर्ग के लोगों को सशक्त बनाएंगे दैनिक आवश्यक वस्तुएं, खाद्य पदार्थ, वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा और टरटए व्यापारी, जो युवाओं को रोजगार देते हैं, इन सभी को इन सुधारों से सकारात्मक रूप से प्रभावित किया गया है। हमने यह फैसला किया है कि हम व्यापारियों के बीच में जीएसटी सम्मेलन करेंगे और उन्हें कर सुधारों के बारे में जानकारी मुहैया कराएंगे। हम उन्हें बताएंगे कि कैसे केंद्र सरकार की तरफ से लिया गया यह कर सुधार का फैसला उनकी व्यापारिक स्थिति को मजबूत कर सकता है आज की तारीख में देश के 9 करोड़ व्यापारी दिल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद कर रहे हैं। इसके अलावा हमने व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वदेशी सामान ही बेंचे और आम लोगों से भी अपील की है कि वे स्वदेशी सामान ही खरीदें। इससे निश्चित तौर पर स्थानीय वस्तुओं की खरीद में तेजी आएगी।

उन्होंने आगे कांग्रेस पर हमला होते हुये कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे को कर सुधार के बारे में जानकारी नहीं है, इसलिए वह इस तरह का बयान दे रहे हैं अगर उन्हें कर सुधारों के बारे में जानकारी होती तो वो निश्चित तौर पर इस तरह का बयान नहीं देते उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि हम इस बात को भलीभांति समझ सकते हैं कि आखिर क्यों मल्लिकार्जुन खड़गे केंद्र सरकार के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं, क्योंकि सरकार के इस फैसले से कांग्रेस के खेमे में खलबली मची हुई है। कांग्रेस में निराशा छाई हुई है और यह उसी का नतीजा है कि खड़गे इस तरह का बयान देने पर बाध्य हो रहे हैं, लेकिन मैं समझता हूं कि उनके इस बयान को फिलहाल किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है मुझे लगता है कि मल्लिकार्जुन खरगे को एक बार फिर से पूरी कर प्रणाली को समझने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि खरगे जी को कम जानकारी है, इसलिए वह इस गणित को समझने में असमर्थ हैं। चूंकि उन्हें बस पीएम मोदी की आलोचना करनी है, इसलिए वह ऐसा कह रहे हैं।

इस अवसर पर जिला महामंत्री सुनील तिवारी जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा अनिल गुप्ता एव जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह विधानसभा संयोजक प्रबुद्ध दुबे एव सह मीडिया प्रभारी सुशांत चौबे ब्रह्मेश शुक्ला कृष्ण कुमार जयसवाल जसविंदर सिंह उपस्थित रहे।

काबुल से दिल्ली की हैरान कर देने वाली उड़ान

हवाई जहाज के व्हील वेल में छिपकर दिल्ली आ गया अफगानी किशोर

काबुल से एक 13 वर्षीय किशोर विमान के व्हील वेल में छिपकर दिल्ली पहुंचा जिससे सभी हैरान हैं। आव्रजन विभाग ने उसे हिरासत में

ले लिया है और पूछताछ जारी है, किशोर ईरान जाना चाहता था लेकिन गलती से दिल्ली आ गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह यात्रियों की गाड़ी के पीछे-पीछे एयरपोर्ट में घुसा और व्हील वेल में छिप गया।

गोंडा में पति ने करंट के झटके देकर पत्नी की कर दी हत्या

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। गोंडा में पति ने करंट के झटके देकर पत्नी की हत्या कर दी। बेटी की चीख सुनकर बचाने पहुंचे ससुर का भी गला घोटकर मार डाला वह मौके से भाग रहा था तभी गांव वालों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। ससुर ने पत्नी की मौत के बाद इकलौती बेटी और दामाद के नाम जमीन लिखी थी। आरोपी पत्नी पर अवैध संबंध का आरोप लगाकर उससे मारपीट करता था। तभी ससुर ने उसका नाम बैनामे से हटवा दिया। आरोपी ने इसी बात से नाराज होकर पत्नी और ससुर की हत्या की योजना बनाई। पुलिस ने आरोपी पवन प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है।

गैंगरेप के दो आरोपियो को पाक्सो कोर्ट ने सुनायी आजीवन कारावास की सजा, लगाया अर्थदण्ड

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। पाक्सो कोर्ट के न्यायाधीश रामअवतार प्रसाद ने गैंगरेप के दो आरोपियो को आजीवन कारावास सुनायी और 30-30 हजार का अर्थदण्ड लगाया है। विशेष लोक अभियोजक रविकांत पांडेय ने बताया कि बहरियाबाद थाना के एक गांव में पीड़िता के पिता ने घटना की थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी कि मेरी 12 और 13 वर्षीय दो बेटियां हैं, दोनो अभियुक्त छोटी बेटी के साथ कई दिनो से गैंगरेप कर रहें थे घटना के दिन गांव के पास नहर पर ले जाकर दोनो रेप कर रहें थे तभी उसकी बड़ी बहन उसकी आवाज सुनकर वहां पहुंची और किसी तरह से उसे छुड़ाकर घर ले आयी।

शाम को जब हम मजदूरी करके घर आये तो उसने घटना के बारे में बताया जिसकी तहरीर हम थाने में दे रहें है। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना के बाद चार्जशीट न्यायालय में प्रस्तुत किया। 3 मार्च 2025 को अभियुक्तगण बबलू राम और चंद्रशेखर राम के खिलाफ बीएनएस और पाक्सो की सुसंगत धाराओ में आरोप विरक्षित किया गया। विशेष लोक अभियोजक रविकांत पांडेय ने कुल सात गवाहो को विरक्षित कराया, तत्पश्चात दोनो पक्षो के अधिवक्ताओ के बहस को सुनकर पाक्सो कोर्ट के न्यायाधीश ने दोनो आरोपियो को आजीवन कारावास की सजा और 30-30 हजार का अर्थदण्ड लगाया है। अर्थदण्ड की धनराशि पीड़िता को चिकित्सा एवं पुर्नवास के लिए देने का आदेश दिया है।

मानव प्रगति में विज्ञान एवं तकनीक की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो.राजाराम यादव

इक्कीसवीं सदी विज्ञान और तकनीक की सदी: प्रो वंदना सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में दीक्षोत्सव के अंतर्गत 21वीं सदीं में विज्ञान एवं तकनीकीः संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर व्याख्यान आयोजित किया जाएगा। व्याख्यान के मुख्य वक्ता पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो राजाराम यादव ने कहा कि 21वीं सदी विज्ञान और तकनीक की सदी है। आज शिक्षा, संचार, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, परिवहन, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रगति ने मानव जीवन को बेहतर बनाया है।प्रो यादव ने कहा कि बेरोजगारी, असमानता, साइबर खतरे और पर्यावरणीय संकट जैसी चुनौतियाँ भी सामने हैं। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग किस प्रकार करते है। संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाकर ही हम विज्ञान की शक्ति को सच्चे अर्थों में मानव कल्याण का साधन बना सकते हैं।

दीक्षोत्सव के अंतर्गत 21 वीं सदी में विज्ञान व तकनीक पर हुआ व्याख्यान

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा इक्कीसवीं सदी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मानवता को अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर रहे हैं। प्रो सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में वैज्ञानिक प्रगति के बिना मानव विकास की कल्पना संभव नहीं है। प्रो सिंह ने विद्यार्थियों को विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों को गहराई से समझ कर उसमें काम करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के संपूर्ण शैक्षणिक और व्यक्तित्व विकास के लिए कटिबद्ध है। विद्यार्थियों के अंदर विज्ञान की समझ बढ़े इसके लिए संस्थान लगातार व्याख्यान एवं प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने 21वीं सदी में विज्ञान व तकनीक की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. शर्मा ने स्वास्थ्य के क्षेत्र विज्ञान के आधुनिक शोध एवं प्रयोगों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल तथा प्रो. देवराज सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रो संतोष कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो प्रदीप कुमार, प्रो. राजकुमार, प्रो. गिरिधर मिश्र डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ मनोज पांडे, डॉ. सुजीत कुमार चौरसिया, डॉ. धीरेन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. काजल डे, डॉ. रामांशु प्रभाकर सिंह, डॉ सौरभ सिंह, डॉ. दीपक मौर्या, डॉ. संदीप वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण एवं सभी नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विक्षिप्त युवक ने घर पास कुएं में लगाई छलांग, एनडीआरएफ की मदद से निकाला गया शव

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना लालपुर पांडेयपुर के बैजनाथ इंटर कालेज के पास के कुएं में करन कुमार पुत्र संजय संजय कुमार उम्र 21 वर्ष निवासी एस9/329 ए-2 नईबस्ती पांडेयपुर वाराणसी कूदकर दी जान, मानसिक स्थिति सही नहीं थी,उसका इलाज मानसिक चिकित्सालय चल रहा था। स्थानीय पुलिस मौके पर मौजूद रही।

अश्लील गीत व अभद्र टिप्पणी करते दो मनचले गिरफ्तार

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष चंदन कुमार राय के नेतृत्व में थाने की एंटी रोमियो टीम ने सोमवार को सार्वजनिक स्थान पर आते-जाते महिलाओं व लड़कियों को देखकर अश्लील गाना गाने व आपत्तिजनक टिप्पणियां करते दो शोहदों को गिरफ्तार कर लिया।

रसूलपुर इंटर कालेज के पास आती-जाती महिलाओं व लड़कियों को देखकर अश्लील गाना गाने एवं अभद्र टिप्पणियां करने की शिकायतें मिलने पर थानाध्यक्ष ने एंटी रोमियो टीम के साथ घेराबंदी कर बनहरा गांव निवासी जितेंद्र प्रसाद प्रजापति व अभिषेक प्रजापति को धर दबोचा। मुकदमा दर्ज कर आरोपितों का चालान कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राम जनम यादव, हेड कांस्टेबल मैनुद्दीन अंसारी, कांस्टेबल राज कुमार यादव व महिला आरक्षी पूनम कुमारी रहीं।

रामलीला मंच के कलाकार की मौत, मंचन स्थगित रखने का निर्णय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर आदर्श रामलीला समिति छाछो की सोमवार को हुई बैठक में रामलीला मंचन स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है। 21जुलाई को समिति के पात्र अभिनव उर्फ अभि की मौत होने के बाद शोक संतप्त कलाकारों ने उक्त निर्णय लिया है। उक्त रामलीला समिति द्वारा आजादी के पहले से ही श्री राम की लीला का मंचन शारदीय नवरात्रि में किया जाता है। यह पहला अवसर है कि जब समिति द्वारा मंचन स्थगित किया गया है। समिति के बाल कलाकर की संदिग्ध अवस्था में जुलाई माह में मौत हो गई। जिसके चलते मुकुट पूजन के उपरांत रामलीला स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। जबकि विजय दशमी मेला अपने तय शुदा कार्यक्रम के अनुसार होगा।उक्त जानकारी समिति के प्रबंधक दिनेश चंद्र शुक्ला ने दी है।

केराकत रामलीला का मुकुट पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

मुख्य अतिथि कृष्णा जायसवाल गोलू को अंगवस्त्रम भेंट कर किया गया स्वागत

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के प्रसिद्ध प्राचीन रामलीला मंच का मुकुट पूजन कार्यक्रम सोमवार सोमवार शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रात्रि में विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। मुकुट पूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत केराकत की अध्यक्ष ज्योति जायसवाल के पति प्रतिनिधि केराकत नगर का बेटा युवा नेता कृष्णा जायसवाल (गोलू) रहे। इस अवसर पर रामलीला नाटक समिति के पदाधिकारियों नें मुकुट पूजन के साथ रामलीला के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

मुख्य अतिथि चेयरमैन पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल उर्फ गोलू को रामलीला समिति के प्रबन्धक सुशील कुमार पटवा द्वारा अंग वस्त्रम प्रदान कर उनका जोरदार स्वागत किया गया। उक्त मौके पर केराकत तहसील अध्यक्ष अलाबक्श खान राजन खान जिला ईंट निमार्ता समिति जौनपुर, वरिष्ठ व्यापारी नेता कृष्ण चंद्र उपाध्याय राजू, पूर्व व्यापार मण्डल नगर अध्यक्ष व पूर्व सभासद शेखजादा यूवा नेता मनोज जायसवाल, शाहिद खॉन, विनोद यादव मास्टर सिहौली, भानू सेठ, धनन्जय गुप्ता, श्रवण पटना, गौरव जायसवाल, राज कुमार सेठ उर्फ छोटू, मुकेश कुमार श्रीवास्तव कार्यक्रम में प्रमुख लोगों की उपस्थिति विशेष रूप से रही।

अस्थाई लिफ्ट टूटकर गिरने से आटा चक्की मशीन खरीदने आए युवक की मौत

घंटों मशक्कत के बाद शव को पुलिस ने लिया कब्जा में

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत मंगलवार को नगर में आटा चक्की मशीन खरीदने आए युवक की अस्थाई लिफ्ट के सहारे नीचे उतरने के दौरान लिफ्ट टूटकर गिरने के दौरान दबने के कारण मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। जांच पड़ताल कर रही हैं। थाना सुजानगंज क्षेत्र के अन्तर्गत सुल्तानपुर गांव निवासी 19 वर्षीय महेंद्र कुमार उर्फ राज पुत्र उमाशंकर नगर में आटा चक्की मशीन खरीदने आया था। वह मोहल्ला महतवाना स्थित दुकान पर पहुंचा जहां दुकानदार उसे अपने साथ लेकर मोहल्ला सैय्यदवाड़ा स्थित अपने गोदाम पर गया। दोनों ऊपरी तल पर रखी आटा चक्की मशीन देखने के बाद जुगाड़ से बनाई गई अस्थाई लिफ्ट में उसको रखकर नीचे उतरने की कोशिश कर रहे थे। तभी लिफ्ट अचानक टूट गई।युवक कई फीट नीचे जमीन पर आकर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। घटना स्थल पर मौजूद आस पास के लोगों का कहना है कि हादसा लिफ्ट के टूटने के कारण हुआ।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही में जुट गई है। थाना कोतवाली के इंचार्ज उपनिरीक्षक शान मोहम्मद ने बताया है कि शव को कब्जे में ले लिया गया है।परिजनों से तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगा। घटना की जांच पड़ताल जारी है।

मछलीशहर। बसरही बाजार में दुकान चलाने वाले उक्त युवक की मौत की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को शव उठाने से मना कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा और सिकरारा के थानाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और परिजनों के तहरीर के अनुसार मुकदमा दर्ज करने का भरोसा दिलाया। कई घंटे भर मशक्कत करने के बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजने की कार्यवाही कर रही हैं। वहीं मृतक के पिता उमाशंकर ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि रॉड ,सरिया आदि से मारकर मेरे बेटे की हत्या कर उसके पास रखा 5 लाख रुपए छीन लिए गए।वहीं क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा का कहना है कि मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कोई अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

मेडिकल कालेज में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेडिकल कालेज जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के दिशा निर्देश में डा० पूजा पाठक, नोडल, नारी सशक्ति करण अभियान एवं डा० ममता, विभागाध्यक्ष बाल रोग विभाग के समन्वय और सहभागिता से दिनांक 23 सितम्बर, 2025 को टीकाकरण जागरूकता का अयोजन मेडिकल कालेज के बाल रोग विभाग में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सकों के उपस्थिति में हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों के साथ अभिभावक उपस्थित रहें। इस शिविर में बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व एवं उससे संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए समय पर लगने वाले टीके गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं तथा उनका शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होता है। साथ ही माताओं को नियमित टीकाकरण कैलेंडर, सावधानियाँ और सरकारी योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क टीकारण सेवाओं की भी जानकारी दी गई। टीकाकरण से होने वाले लाभों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त उपस्थित लोगों के शिशुओं एवं बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में भाग लेने वाले लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की और इसे बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर बालरोग विभाग के चिकित्सक, डा० अरविन्द यादव, डा० अजय कुमार यादव, डा० स्वाती प्रजापति, डा० जयन्त शर्मा, डा० संदीप सिंह एवं नर्सिंग अधिकारी, सोनम कन्नौजिया, श्वेता राय, धर्मेंद्र यादव, विकास यादव, अतुल तथा एम०बी०बी०एस० छात्र/छात्राएं व बच्चे एवं उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा दल द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे। मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में आज दिनाँक-23.09.2025 को

महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक।

बालिकाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, मिशन शक्ति केन्द्र व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया जा रहा है महिलाओं का सशक्तिकरण।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ जनपद के समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा दल द्वारा स्कूल, कालेजों, बाजारों में आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में, घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया गया।

साथ ही थाना स्थानीय पर नवस्थापित मिशन शक्ति केन्द्र का कार्य, उददेश्य, उपलब्ध करायी जाने वाली सेवाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

जयकिशन साहू बनाये गये भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जौनपुर द्वारा संगठन के पुनर्गठन एवं विस्तार के क्रम में एक बैठक जिलाध्यक्ष विवेक सिंह की अध्यक्षता में ओलंदगंज स्थित एक रेस्टोरेंट में हुई जहां नगर अध्यक्ष को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसी क्रम में संगठन के पूर्व नगर अध्यक्ष सर्वेश जायसवाल ने कहा कि मैं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष के रूप में लगातार व्यापारियों के लिए कार्य करते हुये संगठन को मजबूत करने का काम किया। अब अगले नगर अध्यक्ष के रूप में जयकिशन साहू का नाम प्रस्तावित करता हूं। प्रस्तावना के उपरांत अजीत सोनकर, धीरज साहू, रवि अग्रहरि, प्रदीप सिंह सहित सभी ने एक स्वर में अपनी सहमति प्रदान की। इसके उपरांत जिलाध्यक्ष विवेक सिंह ने इस पर अपनी स्वीकृति प्रदान करते हुए पूरे सदन में जय किशन साहू को नगर अध्यक्ष घोषित किया। इसके उपरांत बैठक में उपस्थित संगठन के सभी सम्मानित सदस्यों ने नव चयनित अध्यक्ष का माल्यार्पण करके स्वागत किया। इस दौरान शशांक सिंह, राजदेव यादव, रवि

अग्रहरि, प्रदीप सिंह, अमित जायसवाल ने अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनिल हरलालका, विजय केडिया, धर्मेंद्र सिंह, अजय गुप्ता, धीरज साहू, महेश सेठप, शिवम जायसवाल सहित तमाम व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन योगेश साहू ने किया।

चन्दवक पुलिस ने चोरी में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

चन्दवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना चन्दवक पुलिस टीम द्वारा चोरी से सम्बन्धित एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण। दिनांक-15.02.2025 को वादी जय प्रकाश सिंह पुत्र स्व0 राममूर्ति सिंह नि0 मुरखा थाना चंदवक जौनपुर द्वारा खुद के सगे भाई राघवेन्द्र के घर मे अज्ञात चोरो द्वारा घरेलू सामान बैटरी व सिलेन्डर चुरा लेने के सम्बन्ध मे प्राप्त प्रार्थना पत्र पर

मु0अ0सं0 32/2025 धारा 305 बीएनएस बनाम अज्ञात चोर नाम अज्ञात के पंजीकृत किया गया विवेचनोपरान्त धारा 317(2) बी0एन0एस0 की बढ़ोत्तरी की गयी व आरोपी दीपक चौधरी पुत्र राम नरेश चौधरी ग्राम रतनूपुर कदमापुर थाना चन्दवक जौनपुर, किशन कुमार पुत्र नरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम लेबरुआ थाना चन्दवक जौनपुर का नाम प्रकाश मे लाया गया।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

सिवान (उत्तरशक्ति) बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर व ग्रामीण क्षेत्र में दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए महाराजगंज अनुमंडल के सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी इसकी अध्यक्षता महाराजगंज की एसडीओ अनिता कुमारी ने की इसमें दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण संपन्न करने पर विशेष चर्चा की गई। पूजा पंडाल पर लगने वाले भीड़ - भाड़ को शांति बहाली के लिए विस्तार से चर्चा की गयी। महाराजगंज की एसडीओ अनीता कुमारी ने कहा कहा कि दुर्गा पूजा महान पर्व है। ऐसे में दुर्गा पूजा को अच्छे ढंग से मनाना हम सभी का दायित्व भी है। एसडीपीओ अमन कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा के मौके पर डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। दुर्गा पूजा के अवसर पर लगने वाले भीड़-भाड़ में मनचलों पर पुलिस की कड़ी निगाह रहेगी। कहीं से कोई सूचना मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। अनुमंडल के अधिकारी द्वय ने सभी लोगों से शांतिपूर्ण माहौल में दुर्गा पूजा मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि प्रशासन की पूरी नजर है जो भी कानून का उल्लंघन करेगा। उस पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।मौके पर महाराजगंज के वीडियो बिंदु कुमार, को जितेंद्र पासवान, महाराजगंज नगर पंचायत के ईओ हरिश्चंद्र, महाराजगंज थाना के एसआई अमरेंद्र कुमार, बसंतपुर के ईओ कामरान, बसंतपुर के सीईओ अजमत अली, भगवानपुर, दारौंदा , के सीओ, बीडीओ के अलावा अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी , एम एल सी बीरेंद्र नारायण यादव के प्रतिनिधि हरेंद्र, कुमार यादव, बिजली विभाग के एसडीओ दिलीप कुमार कुमार , प्रो सुबोध सिंह, राजेश कुमार,अरुण सिंह, कन्हैया यादव, बड़ा बाबू,स्वास्थ्य विभाजक के फैमिली प्लैनिंग ऑफिसर डी के बघेल, रिजवान उर्फ मुना आदि लोग मौजूद थे।

भारत वैभव पार्टी ने चतुर्थ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

विरार (उत्तरशक्ति)। भारत वैभव पार्टी का चतुर्थ स्थापना दिवस 22 सितम्बर को बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर का आयोजन पार्टी के फिल्म प्रकोष्ठ अध्यक्ष लवकुमार चौधरी द्वारा विरार, पालघर (महाराष्ट्र) स्थित पार्टी कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय ने केक काटकर की। कार्यक्रम में वरिष्ठ पदाधिकारियों का स्वागत फिल्म प्रकोष्ठ पालघर की अध्यक्षा लक्ष्मी देवेंद्र ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इस अवसर पर पार्टी के कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित किया। जिनमें प्रमुख रूप से राजरतन सिंह राष्ट्रीय महासचिव, सुमन पांडेय राष्ट्रीय सचिव, अजय मिश्रा राष्ट्रीय सचिव, राम अभिलाष गुप्ता, रमेश पाण्डेय, डॉ. अभिषेक दुबे राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, संतोष सिंह उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, सुनीता यादव महिला मोर्चा, मुम्बई अध्यक्ष, पंकज मिश्रा, आशीष राय अधिवक्ता शामिल रहे। कार्यक्रम में लोकप्रिय आर्टिस्ट मनोज गुप्ता तथा बाल कलाकार प्रद्युम्न चौधरी, जिनकी कला ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में राम बाबू चौधरी, आकाश पवार, निलेश मिंज, आलोक कुमार सिंह, अशोक यादव, लवकुश चौधरी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन पार्टी अध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय जी के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कंपलसरी सब्जेक्ट का कोड भरते समय रखें खास ध्यान

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बिहार में सीबीएसइ की ओर से सभी एफिलिएटेड स्कूल को कंपलसरी सब्जेक्ट कोड को भरते समय खास ख्याल रखने का निर्देश दिया गया है। कोड गलत भरने पर परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों का सब्जेक्ट भी बदल जायेगा। बोर्ड की ओर से 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों की एलओसी में सब्जेक्ट कोड को ध्यान भरने का निर्देश दिया है। इसके लिए विषयों की कोड की सूची भी जारी की गयी है। सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य शंभुशरण तिवारी ने बताया बताया कि एलओसी में नाम, जन्मतिथि समेत अन्य डिटेल को ठीक ढंग से भरने का निर्देश सीबीएससी बोर्ड द्वारा दिया गया है इसमें खास ख्याल सब्जेक्ट कोड को भरते समय रखने को कहा गया है. कई बार सब्जेक्ट कोड गलत हो जाने पर विद्यार्थियों को परीक्षा में सब्जेक्ट बदल जाता है, जिससे विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी परेशानियों के मद्देनजर सही सब्जेक्ट कोड भरने का बोर्ड द्वारा निर्देश दिया गया है।

प्रफुल्ल के प्रदेश प्रवक्ता बनने पर बीजेपी कार्यकतोओं ने दि बधाई

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता प्रफुल्ल राज पांडेय को मनोनीत किए जाने पर मुखिया मंटु कुमार द्विवेदी के अलावा दिलीप कुमार सिंह, अवधेश पांडेय, रणजीत तिवारी, जितेंद्र सिंह आदि बीजेपी कार्यकताओं ने बधाई और शुभकामना दी है। श्री द्विवेदी ने कहा कि भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है और नीचले स्तर के कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देती है। उन्होंने कहा कि प्रफुल पांडेय को प्रदेश प्रवक्ता बनने से सीवान जिला सहित पूरे बिहार में संगठन मजबूत होगा। उन्होंने इसके लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

मुंबई पहुँची एसएसआईआई मंत्राम मेड-इन-इंडिया' सर्जिकल रोबोट यात्रा

मुंबई। पुणे में सफल प्रदर्शनों के बाद, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली कंपनी ने महाराष्ट्र अध्याय में एक नया मील का पत्थर छुआ, जब एसएसआईआई मंत्राम मेड-इन-इंडिया सर्जिकल रोबोट यात्रा नवी मुंबई के वाशी स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल, कामोठे पहुँची। उन्नत स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के मिशन के तहत, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने अत्याधुनिक एसएसआईआई मंत्राम यूनिट छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों के सामने प्रस्तुत की। दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत मंत्राम मोबाइल सिम्युलेशन बस में आयोजित हैंड्स-ऑन रोबोटिक सर्जरी कार्यशाला से हुई। इस वर्कशॉप ने डॉक्टरों, सर्जनों और मेडिकल छात्रों को मंत्रा 3.0 सर्जिकल रोबोटिक प्लेटफॉर्म की अत्याधुनिक क्षमताओं का अनुभव करने का अवसर दिया, जो भारत की स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक्स में बड़ी उपलब्धि है। इस पहल ने न केवल चिकित्सा समुदाय को जोड़ा, बल्कि भारत की रोबोटिक सर्जरी में नेतृत्व का सीधा अनुभव भी दिया, जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा मिली और एसएसआईआई की वैश्विक स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता मजबूत हुई। कार्यक्रम में लाइव डेमो और विशेषज्ञ प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिभागियों को रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी की नई परिभाषा सटीकता, सुरक्षा और सुलभता - समझने का अनोखा अवसर मिला। इसमें कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन सत्र भी शामिल रहा, जिसमें रोबोटिक सर्जरी की प्रगति पर प्रस्तुति और डॉ. जागेश्वर पांडे (सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और जनरल सर्जन) द्वारा रोबोटिक केस प्रेजेंटेशन हुआ। इस सत्र ने मंत्रा 3.0 सिस्टम के वास्तविक उपयोग को प्रदर्शित किया, खासकर इसके क्लिनिकल परिणामों और सर्जिकल कार्यप्रवाहों में सुधार पर। इस अवसर पर एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के सीईओ (इंडिया) चंदर शेखर सिबल ने कहा, यह ऐतिहासिक क्षण उद्देश्य-प्रेरित नवाचार की शक्ति का उदाहरण है। यह हमें उन्नत सर्जिकल देखभाल तक पहुंच को पुनर्परिभाषित और लोकतांत्रिक बनाने के एक कदम और करीब ले जाता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां विशेषज्ञों की कमी है।

PNG ज्वैलर्स के नए छह शोरूम का विस्तार, नए 4 'शॉप-इन-शॉप' शोरूम्स का प्रवेश

मुंबई। साल की विरासत वाला, अपनी शुद्धता और कारीगरी के लिए प्रसिद्ध भारत का एक आभूषण ब्रांड, पीएनजी ज्वैलर्स, इस नवरात्रि छह स्वतंत्र शोरूम्स और चार लाइटस्टाईल 'शॉप-इन-शॉप' काउंटर्स के साथ छह नए बाजारों में प्रवेश कर रहा है। 1 अक्टूबर तक महाराष्ट्र और मध्य भारत के मुंबई, पुणे, कोल्हापुर, लखनऊ, कानपुर और नागपुर सहित प्रमुख शहरों में होने वाला यह विस्तार, पीएनजी ज्वैलर्स के इतिहास में सबसे तेज विस्तार अभियानों में से एक साबित होगा। इस अभियान के बारे में बात करते हुए, पीएनजी ज्वैलर्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, डॉ. सौरभ गाडगिल ने कहा, इस नवरात्रि में हम सिर्फ उत्सव नहीं मना रहे हैं, बल्कि पीढ़ियों से ग्राहकों ने हम पर

जो विश्वास और प्यार दिखाया है, उसका सम्मान भी कर रहे हैं।

इस नवरात्रि में 10 जगहों पर शोरूम्स खोलना हमारे लिए एक ऐतिहासिक घटना है। इसके माध्यम से हम अपनी शुद्धता, कारीगरी और नवीनता के मूल मूल्यों के प्रति भी ईमानदार रहते हुए, अपने ग्राहकों के साथ संबंधों को और मजबूत कर रहे हैं। पीएनजी ज्वैलर्स के शोरूम्स के साथ-साथ 'लाइटस्टाईल' 'शॉप-इन-शॉप' काउंटर्स शुरू करके, हम हर पीढ़ी के लिए एक खास खरीदारी का अनुभव प्रदान कर रहे हैं। 'लाइटस्टाईल' 'शॉप-इन-शॉप' सोलापुर, नासिक, संभाजीनगर, नागपुर में शुरू हो रहे हैं, जिससे युवा पीढ़ी अपनी परंपराओं को बनाए रखते हुए आधुनिकता का अनुभव कर सकेगी।

इस अभूतपूर्व अभियान के अवसर पर, पीएनजी ज्वैलर्स नए शोरूम्स में सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस पर 50% तक की छूट और हीरे के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस पर 100% तक की छूट दे रहा है। साथ ही, नए 'लाइटस्टाईल' 'शॉप-इन-शॉप' पर जाने वाले ग्राहकों को 'लाइटस्टाईल' आभूषणों के मेकिंग चार्जेस पर 50% तक की छूट का लाभ मिलेगा।

स्कूली बच्चों को जंक फूड के नुकसान की मिलेगी जानकारी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बिहार के सरकारी स्कूलों में राष्ट्रीय पोषण माह अभियान की शुरूआत कर दी गयी है। इस अभियान में स्कूली बच्चों को जंक फूड के नुकसान से अवगत कराया जायेगा। इसके साथ ही बच्चों को मोटे अनाज खाने के फायदे और इसे दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी जायेगी। साथ ही चीनी और अधिक तेल वाले खाद्य पदार्थ से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

मध्याह्न भोजन योजना के संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। यह अभियान आगामी 16 अक्तूबर तक चलाया जायेगा। बीइओ राजकुमार उपाध्याय ने बताया जिला शिक्षा विभाग के निर्देश पर स्कूलों व इस अभियान के तहत तिथिवार विभिन्न गतिविधि आयोजित करने का निर्देश दिया है। विद्यालयों में उत्पादों, खिलौनों, पोषक खाद्य पदार्थों के उपयोग पर जागरूकता गतिविधि आयोजित की जायेगी।एक माह तक चलने वाले अभियान में विद्यालय के शिक्षक स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनुपयोगी वस्तुओं से खिलौने का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही साफ-सफाई व स्वच्छता पर जागरूकता सत्र का आयोजन होगा।सिंगल यूज प्लास्टिक में कमी व कचरा प्रबंधन पर चर्चा होगी। बच्चों के साथ संयुक्त खेल दिवस का भी आयोजन किया जायेगा।

जेबीटी मरेल ने फूड प्रोसेसिंग में इनोवेशन करने के लिए भारत में ग्लोबल प्रोडक्शन सेंटर का उद्घाटन किया

मुंबई। फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर, जेबीटी मरेल ने आज भारत में अपने ग्लोबल प्रोडक्शन सेंटर (जीपीसी) का उद्घाटन किया। यह कंपनी के भारतीय और एशिया-पेसिफिक बाजारों को विश्व-स्तरीय समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेबीटी मारेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, विवान कोहली औद्योगिक एस्टेट, ओल्ड मुंबई पुणे हाईवे, नायगांव, तालुका- मावल, वडगांव, पुणे में नई सुविधा का उद्घाटन जेबीटी मारेल के सीईओ ब्रायन डेक, ऑगस्टो रिजोलो, ईवीपी - एपीएससी और लैटिन अमेरिका, प्रिपेयर्ड फूड्स के ईवीपी बॉब पेट्री और जैक मार्टिन , ईवीपी - सप्लाई चेन ऑफिसर ने किया।

डीएफ एंड एच एशिया-प्रशांत के वरिष्ठ निदेशक मैनुअल कॉफमैन, प्रिपेयर्ड फूड्स के वरिष्ठ निदेशक पेर फ्रीबर्ग, दक्षिण एशिया के उपाध्यक्ष विक्रम मुलमुले, जेबीटी मारेल के दक्षिण एशिया उपमहाद्वीप के संचालन प्रबंधक शिवेंद्र सिंह, आदि भी उपस्थित थे। जीपीसी को उत्पादन बढ़ाने और क्षेत्र में कुशल व पर्यावरण के अनुकूल फूड प्रोसेसिंग की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाली आधुनिक तकनीकों को दिखाने के लिए बनाया गया है। इस समारोह में, ऑगस्टो रिजोलो, ईवीपी - एपीएससी और लैटिन अमेरिका , ने कहा, भारत में ग्लोबल प्रोडक्शन सेंटर हमारे लिए एक एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है और यह फूड प्रोसेसिंग में इनोवेशन को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। यह सेंटर न केवल दक्षिण एशिया में हमारे ग्राहकों के लिए वैश्विक विशेषज्ञता को करीब लाता है, बल्कि भारत को व्यापक एशिया क्षेत्र की सेवा करने वाले उन्नत समाधानों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करता है।

मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन का एशिया में पोषित आहार के नए ब्रांड लॉन्च और महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ मजबूत नेतृत्व स्थापित

मुंबई। मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन, एक वैश्विक उद्योग-आधारित पहल, ने आज एशिया में पोषण से जुड़ी कई बड़ी उपलब्धियों की घोषणा की। संगठन ने स्पष्ट किया कि छिपे हुए कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में भारत, बांग्लादेश और इंडोनेशिया तेजी से अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर यह कार्यक्रम आठ देशों—भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नाइजीरिया, केन्या, तंजानिया और इथियोपिया में चलाया जा रहा है। परंतु हाल के समय में भारत, बांग्लादेश और इंडोनेशिया से सबसे अहम ब्रांड लॉन्च और क्षमता-विकास के कदम सामने आए हैं।

मिलर्स पोषण पहुँचाने की सबसे बड़ी कड़ी हैं। उन्हें सही साधन, प्रशिक्षण और बाजार अवसर देकर हम छिपे कुपोषण से लड़ाई में तेजी ला सकते हैं। भारत और बांग्लादेश

में 20 से अधिक नए ब्रांड की सफलता और इंडोनेशिया में बढ़ते प्रयास साबित करते हैं कि मिलर्स खाद्य प्रणाली में परिवर्तन ला रहे हैं, रिजवान यूसुफाली, ग्लोबल प्रोग्राम डायरेक्टर, मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन ने कहा।

शुरूआत से ही, मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन ने मिलर्स, सरकारों और विकास संगठनों के साथ मिलकर काम किया है ताकि पोषित आहार अधिक से अधिक घरों तक पहुँचे।

मोनोजित इंद्रा, सीनियर प्रैक्टिस लीडर, टेक्नोसर्व इंडिया और एशिया प्रोग्राम लीड ने कहा, एशिया में मिलर्स रोजाना पोषित खाद्य पदार्थ घर-घर तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। सरकार और नागरिक समाज के साथ साझेदारी कर हम करोड़ों लोगों के लिए स्वस्थ भविष्य बना रहे हैं। भारत और बांग्लादेश में अब तक 20 से अधिक पोषित चावल और आटा ब्रांड लॉन्च हुए हैं, जो लाखों उपभोक्ताओं तक पहुँच रहे हैं। इससे मिलर्स को राष्ट्रीय स्तर पर पोषण के नायक के रूप में पहचान मिली है।

बांग्लादेश में अउक Pure Fortified Rice पहला राष्ट्रीय ब्रांड बना, जो खुले बाजार में उपलब्ध हुआ। इसके बाद ACI Pure Fortified AttÔभी लॉन्च किया गया। भारत में गुजरात, पश्चिम बंगाल और पंजाब के अग्रणी मिलर्स ने भी नए ब्रांड लॉन्च किए हैं। साथ ही, देश अब खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में भी अग्रणी बन रहा है।

शक्ति की देवी दुर्गा देवी का सांसद ने किया सप्तशती वितरण कार्यक्रम

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के बंगरा स्थित रघुबीर सिंह पुस्तकालय सह वाचनालय परिसर में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार, शनिवार को अपराह्न 4 से शाम 7 बजे तक नवरात्र में प्रति दिन सुबह 8 बजे से रात्रि 7बजे तक शक्ति की देवी दुर्गा माता के आशीर्वाद 1008 दुर्गा सप्तशती वितरण कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है। नवरात्रि के प्रथम दिन प्रत्येक वर्ष की भाती इस बार भी महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल द्वारा मा जगत जननी के उपासकों के बीच दुर्गा सप्तशती वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि माता दुर्गा सफल चरित्र का निर्माण करती है, तेज सफलता को जन्म देने का कार्य करता है। दिखावा मनुष्य को पूर्ण विराम की ओर अग्रसर करता है। पुस्तकालय द्वारा संचालित निःशुल्क शिक्षा, संस्कार, समर्पण, सहयोग, सेवा कार्यक्रम के दौरान श्री सिंह ने अपनी सारगर्भित उद्बोबोधन मै कहा कि व्यक्ति का लक्ष्य ऊंचा होना चाहिए। साधन, सुविधा को अनदेखा कर अपनी लक्ष्य के लिए बिना रुके कार्य किया जाना चाहिए। बंगरा गांव अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लेने का काम किया है। इस पर हमें गर्व है। अपने स्तर से बाल केंद्र में नामांकित बच्चे जो आधार कार्ड से वंचित हैं ।उनके लिए आवश्यक निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी महाराजगंज को दिया जो कुछ ही दिनों में रघुबीर सिंह पुस्तकालय सह वाचनालय परिसर में शिविर आयोजित कर बनाने का काम शुरू किया जाएगा । सांसद ने कहा बच्चों को सरकारी विद्यालयों में प्रदान किए जा रहे स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सके इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निगरानी रखनी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वतंत्रता सेनानी मुंशी सिंह ने किया व संचालन शिक्षक कुमार राजकपूर टीपू ने की। मुख्य रूप से शिवशंकर सिंह, सुप्रिया जयसवाल, संजय सिंह, बड़ा बाबू, सरपंच नागेन्द्र किशोर सिंह, प्रखंड अध्यक्ष सुधीन्द्र कुमार सिंह बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ सिवान, शिक्षक अमित कुमार सिंह, शिक्षिका खुशबू सिंह, स्वीटी, उप मुखिया कौशल्या देवी, जलेश्वर सिंह, शमानंद राम, चंदन राम, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक भास्कर कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पल्लेडियन पार्टनर्स ने 1,500 करोड़ की लॉन्च की पाइपलाइन घोषणा

मुंबई। मुंबई के रियल एस्टेट बाजार के सबसे सक्रिय त्योहारी सीजनों में से एक की शुरूआत करते हुए, पल्लेडियन पार्टनर्स ने आज मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में 1,500 करोड़ से अधिक की प्रोजेक्ट लॉन्च योजनाओं की घोषणा की। यह लॉन्च नवरात्रि और दशहरे के अवसर पर हो रहा है, जो हाल के वर्षों में किसी रियल एस्टेट एडवाइजरी द्वारा पेश की गई सबसे बड़ी त्योहारी योजनाओं में से एक है।

इस रफ्तार को और गति दे रहे हैं 22 सितंबर से लागू हुए नए जीएसटी सुधार, जिनके तहत सीमेंट और स्टील पर कर घटाकर 18% कर दिया गया है। विश्लेषकों का अनुमान है कि निर्माण लागत में लगभग 5% की गिरावट आएगी, जिससे होने वाली बचत या तो प्रोजेक्ट मार्जिन को बढ़ा सकती है या फिर होमबायर्स के लिए कीमतों में राहत ला सकती

है। पल्लेडियन पार्टनर्स की त्योहारी लॉन्चिंग का समय बेहद रणनीतिक है, क्योंकि मुंबई के हाउसिंग मार्केट में खरीदारों का उत्साह पहले से ही उच्च स्तर पर है। त्योहारी सीजन पारंपरिक रूप से प्रॉपर्टी बिक्री को बढ़ावा देने वाला एक प्रमुख समय होता है, और पिछले साल के आंकड़े इस अवधि की ताकत को स्पष्ट करते हैं। केवल अक्टूबर 2024 में ही, मुंबई में 12,960 प्रॉपर्टी लेन-देन दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 22% की तेज वृद्धि है। इस वृद्धि का असर सरकारी राजस्व पर भी दिखा, जहां स्टांप ड्यूटी संग्रह ?1,201 करोड़ तक पहुंच गया, जो उस महीने के लिए अब तक का सबसे उच्च रिकॉर्ड है। ये आंकड़े न केवल मजबूत मांग का संकेत देते हैं, बल्कि खरीदारों के बढ़ते विश्वास को भी दशार्ते हैं, जो खासकर सांस्कृतिक महत्व वाले अवसरों पर रियल एस्टेट को एक सुरक्षित और मूल्यवृद्धि वाला संपत्ति मानते हैं। यह प्रवृत्ति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है। व्यापक मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) और पुणे में भी, 2024 के त्योहारी तिमाही में मिलकर ?1,000 करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ, जो इस सीजन की रियल एस्टेट सेक्टर के लिए राजस्व संचालित करने वाली भूमिका को और मजबूत करता है। परंपरा, शुभ समय और आकर्षक डेवलपर ऑफर्स का मेल त्योहारी अवधि को भारत के रियल एस्टेट कैलेंडर में एक अनोखा पर्व बनाता है। डेवलपर्स और एडवाइजर्स के लिए यह अवसर बिक्री की गति तेज करने और बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का निर्णायक समय साबित हुआ है। इतने प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, उम्मीदें हैं कि आगामी 2025 का त्योहारी सीजन न केवल इस रफ्तार को बनाए रखेगा बल्कि संभवतः इसे पार भी कर जाएगा, खासकर अब जीएसटी रियायतीकरण जैसे अतिरिक्त नीतिगत समर्थन के साथ।

होम क्रेडिट इंडिया ने लॉच किया अपग्रेडवालीदीवाली कैंपेन त्योहारों की खुशी

मुंबई। अग्रणी कैनज्यूमर फाइनेंस कंपनी होम क्रेडिट इंडिया ने आज अपने नए त्योहारी कैंपेन - अपग्रेडवालीदीवाली की शुरूआत की घोषणा की है जो उनके ब्रांड विचार जिंदगीहिट! का विस्तार है। इस कैंपेन का उद्देश्य देशभर के ग्राहकों में त्योहारी उत्साह लाना है, जिसमें होम क्रेडिट इंडिया के उन सरल और सुविधाजनक वित्तीय समाधानों पर जोर दिया गया है जो जीवनशैली और जिम्मेदारियों को अपग्रेड करना आसान और तनावमुक्त बनाते हैं। यह नया कैंपेन होम क्रेडिट इंडिया के सोशल चैनलों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्रामस,यूट्यूब और लिंक्डइन सहित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव है। #अपग्रेडवालीदीवाली कैंपेन इस बात पर जोर देता है कि जहाँ जीवनशैली को अपग्रेड करना एक समझदारी भरा फैसला है, वहीं एक सच्ची और सार्थक दिवाली परंपराओं और पारिवारिक संबंधों को बनाए रखने से आती है। यह अभियान न केवल भौतिक अपग्रेड्स का जश्न मनाता है, बल्कि उन कर्तव्यनिष्ठ अपग्रेड्स का भी जश्न मनाता है जो पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करते हैं। वीडियो एक संयुक्त परिवार के घर में खुलता है, जहाँ तीन पीढ़ियां- पिता, पुत्र और पोता - मौजूद हैं। जहां परिवार दिवाली की तैयारियों में व्यस्त दिख कहा है वहीं पिता अपने पुराने फोन के साथ खरीददारी के फैसले लेने में मशगूल दिखते हैं। बेटा धीरे से उनकी मदद के लिए आगे आता है और उन्हें कुछ आसान अपग्रेड्स का सुझाव देता है जिस पर पिता मजाक में कहते हैं कि अब उनका बेटा ही घर के सारे फैसले लेने लगा है। अगली सुबह, पिता जागते हैं और अपने बिस्तर के पास एक नया फोन पाते हैं, जिसके साथ उनके बेटे का एक दिल छू लेने वाला नोट भी रखा होता है। नोट में बेटे ने पिता को परिवार का एक ऐसा मुखिया बताया है, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता। साथ ही, उसने जिम्मेदारियों को साझा करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की है। यह भावुक कदम पीढ़ियों के बीच के अंतर को कम करता है और इस संदेश को उजागर करता है कि असली नायक वे हैं जो जिम्मेदारियों को मिलकर निभाते हैं। फिल्म का अंत एक खूबसूरत दृश्य के साथ होता है, जिसमें पिता गर्व और खुशी से मुस्कुराते हुए बताते हैं कि होम क्रेडिट इंडिया एक भरोसेमंद साथी है जो टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं, मोबाइल और दोपहिया वाहनों के लिए फाइनेंसिंग करता है। नए दिवाली कैंपेन के बारे में बताते हुए होम क्रेडिट इंडिया के चीफ मार्केटिंग आफीसर आशीष तिवारी ने कहा, ₹भारत में त्यौहार भावनाओं, एकजुटता और सपनों को पूरा करने के बारे में होते हैं। #अपग्रेडवालीदीवाली के साथ, हम इसी भावना को दशार्ना चाहते थे और यह भी दिखाना चाहते थे कि कैसे होम क्रेडिट इंडिया परिवारों को बिना किसी समझौते के जश्न मनाने में सक्षम बना रहा है। हमारे सरल और ग्राहक-अनुकूल फाइनेंसिंग विकल्प यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी की जीवनशैली को अपग्रेड करना , चाहे वह उपकरण हों, गैजेट हों या घर की जरूरतें हों, सहज हो जाए।

नगर पालिका में घोटालों पर कांग्रेस का हल्ला बोल, मंत्री से इस्तीफे की माँग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका में तेल गबन, भ्रष्टाचार, टूटी सड़कों, तीन हत्या मामलों पर चुप्पी और गोमती घाट को निजी हाथों में सौंपने जैसी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। शहर कांग्रेस कार्यालय से निकले विशाल जुलूस ने पालिका परिसर को हिला दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद सिंह और शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने किया। कार्यकताओं ने ह्लतेल छोड़ो, गद्दी छोड़ोह्व के नारे लगाते हुए स्थानीय मंत्री गिरीश चन्द्र यादव से इस्तीफा माँगा। प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह ने आरोप लगाया कि मंत्री के संरक्षण में ही पालिका में गबन और अव्यवस्था पनप रही है। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।ज़िला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर लगातार संघर्षरत है और भाजपा सरकार तथा उनके संरक्षित मंत्री गिरीश यादव की जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच उजागर करती रहेगी। आरिफ खान ने कहा कि गोमती घाट जौनपुर की आस्था का केंद्र है, इसे निजी हाथों में सौंपना संस्कृति पर कुठाराघात है। कांग्रेस ने साफ कहा कि भाजपा नेताओं की लापरवाही अब जनता बर्दाश्त नहीं करेगी और कांग्रेस उनकी आवाज बुलंद करती रहेगी।

लखनऊ के गोमती पुस्तक महोत्सव में आए पुस्तक विक्रेताओं को डाकघर में किताबें बिक्री का अवसरः कर्नल विनोद

-डॉ.आबिद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लखनऊ विश्वविद्यालय में 20 से 28 सितंबर तक चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में कर्नल विनोद कुमार पोस्टमास्टर जनरल वाराणसी ने शिरकत की और बताया कि डाक विभाग के बड़े नेटवर्क का इस्तेमाल पुस्तक प्रकाशक पुस्तकों की बिक्री के लिए कर सकते हैं और पुस्तकों को पाठकों तक आसानी से पहुँचा सकते हैं। कर्नल विनोद कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि इंडिया पोस्ट की रिटेल पोस्ट सेवा के तहत विभाग के साथ एक अनुबंध करने के बाद चिन्हित डाक घरों के शोकेस का उपयोग करके प्रकाशक अपनी पुस्तकों को जनता के बीच बिक्री के लिए उपलब्ध करा सकते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिवाजी मैदान में इस नौ दिवसीय गोमती पुस्तक महोत्सव-2025 में 225 से ज्यादा स्टॉल्स लगाए गए हैं। यहां आईएएस व वरिष्ठ लेखक पार्थ सारथी सेन शर्मा की किताबों ने युवाओं के दिलों में घर कर

लिया है। एलयू में एमए मनोविज्ञान के छात्र मोहम्मद फैज ने ह्यलव इन लखनऊ और बीए तृतीय वर्ष के छात्र आर्यन कुशवाहा ने ह्यहम हैं राही प्यार के जैसी पुस्तकें खरीदकर वरिष्ठ लेखक के प्रति अपना प्यार जाहिर किया। 28 सितंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में लोगों को फ्री एंट्री है और इसके साथ ही प्रिंट रेट से 10 प्रतिशत छूट पर किताबें मिलेंगी। अयोध्या से आ कर लखनऊ में परीक्षा देने आई सुश्री वैष्णवी ने बताया कि वह कहा कि वह इस पुस्तक महोत्सव में परीक्षा से संबोधित किताबें खरीद रही हैं और उन्होंने कुछ उपन्यास एवं कहानियाँ भी अच्छी लगी हैं। इसी साल फिजिक्स केमिस्ट्री मैथ्स के साथ सफलतापूर्वक बीएससी पास कर चुकी सुश्री वैष्णवी का कहना था कि इस तरह के पुस्तक मेले राज्य के सभी जिलों में आयोजित किए जाने चाहिए और स्कूल के विद्यार्थियों को यहाँ लाने के प्रबंध भी किये जाने चाहिये ताकि स्टूडेंट्स में किताबों के प्रति रुचि जागृत हो सके। लखनऊ में आईआईटी और जेईई के लिए तैयारी कर रही सुश्री यशस्वी ने बताया कि वह अपने रुचि की बहुत अच्छी किताबें महोत्सव में उपलब्ध हैं और उन्होंने अपनी पॉवर ऑफ माइंड के बारे में जानकारी दी और बताया कि वह इस पुस्तक से बहुत प्रभावित हुई हैं। नौ दिनों तक चलने वाले इस पुस्तक महोत्सव में आगंतुक समूह चचाओं, लेखक संवाद, काव्य पाठ, मुशायरा, पुस्तक विमोचन, स्टोरीटेलिंग सेशन और सांस्कृतिक संध्याओं का आनंद ले सकेंगे। इस दौरान विशेष वक्ताओं में आईआईटी लखनऊ के निदेशक डॉ. अरुण मोहन शेरी, वरिष्ठ लेखक गुलाब कोठारी, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के चांसलर एवं लेखक संतोष चौबे, लेखक-कवि-अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा, उपन्यासकार शीला रोहेकर, कथाकार शिवमूर्ति, पद्मश्री डॉ. विद्या विंदु सिंह तथा चर्चित अवधी कवि-लेखक व संपादक डॉ. रामबहादुर मिसिर आदि शामिल रहेंगे। महोत्सव में हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध उपन्यास गुनाहों का देवता, तमस, गोदान और दीवार में एक खिड़की रहती है जैसी पुस्तके बहुत लोकप्रिय हो रही हैं। कर्नल विनोद ने बताया कि नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया निशुल्क हजारों ई-बुक्स पढ़ने को दे रहा है। इसके लिए एनबीटी इंडिया के ऐप राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय को डाउनलोड करना है जिसमें 23 भाषाओं में लिखीं तीन हजार से ज्यादा ई-बुक्स निशुल्क उपलब्ध हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रेक्षागृह में दसवां आयुर्वेद दिवस मनाया गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में प्रेक्षागृह में दसवां आयुर्वेद दिवस मनाया गया। जिलाधिकारी के द्वारा मॉ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित करते हुए आयुर्वेद दिवस का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा आयुर्वेद के आहार और विहार पर दिनचर्या एवं रितुचर्या पर प्रकाश डालते हुए आयुर्वेद की महत्त्वा पर प्रकाश डालते हुए आयुर्वेद जीवन के उपयोगी महत्व को बताया गया। उन्होंने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी जौनपुर डॉ0 कमल को निर्देशित किया कि प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में कैम्प लगाते हुए बच्चों को आयुर्वेद के बारे में जानकारी दिया जाए। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत प्रोफेसर यशवंत चौहान एवं विभाग अध्यक्ष राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज वाराणसी ने अपने संबोधन में आहार विहार विस्तृत जानकारी देते हुए अष्टांग योग नियमों का एवं चरक सूत्रों के माध्यम से आयुर्वेद की दैनिक जीवन में उपयोगिता पर बताया। कार्यक्रम को डॉ0 अनिल सिंह, डॉ प्रदीप सिंह, डॉ0 विजेंद्र प्रताप सिंह, डॉ0 अनामिका राय, डॉ0 श्रीकांत पांडेय, अनिल कुमार, राम बच्चन मौर्य, डॉ0 इंद्रपाल आदि द्वारा आयुर्वेद पर विचार किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डॉ कमल ने सभी आगंतुक का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जनपद के समस्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी फार्मासिस्ट एवं योग प्रशिक्षक एवं कार्यालय के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार मिश्रा एवं कार्यक्रम प्रबंधक धर्मेंद्र सिंह द्वारा किया गया।

नालासोपारा में मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल को नि:शुल्क जमीन मंजूर

विधायक राजन नाईक के प्रयासों को मिली बड़ी सफलता

नालासोपारा। वसई-विरार क्षेत्र के नागरिकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अछोले (नालासोपारा पूर्व) में प्रस्तावित मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल को अंततः राज्य सरकार की मंजूरी मिल गई है और अब इस अस्पताल के लिए जमीन निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद की।

इस निर्णय के पीछे भाजपा विधायक राजन नाईक के सतत प्रयासों और राज्य सरकार के साथ समन्वय को प्रमुख माना जा रहा है। विधायक नाईक ने बताया कि उन्होंने 4 मार्च को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस विषय में ध्यान दिलाया था, जिसके बाद प्रशासनिक प्रक्रिया तेज की गई। राज्य सरकार ने पहले ही अछोले में मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के लिए 250 करोड़ की निधि स्वीकृत की थी, जिसमें से 25 करोड़ वसई-विरार महानगरपालिका को हस्तांतरित भी किए जा चुके थे। हालांकि, जमीन के हस्तांतरण में कानूनी और तकनीकी अड़चनें आने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा था। संबंधित जमीन न्यायालय के नाम पर थी, जिसे अब राजस्व विभाग के माध्यम से मुफ्त में अस्पताल परियोजना के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इस निर्णय के लिए विधायक राजन नाईक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का आभार व्यक्त किया है।

राजन नाईक ने कहा, वसई-विरार क्षेत्र के 30 लाख से अधिक नागरिकों को अब अपने ही शहर में उच्च गुणवत्ता वाली सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। अब तक इन लोगों को मीरा-भायंदर, ठाणे या मुंबई के अस्पतालों में जाना पड़ता था। हम जल्द से जल्द अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू करवाने के लिए राज्य सरकार से संपर्क बनाए रखेंगे। इस निर्णय से भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय कार्यकर्ता और नागरिकों में उत्साह की लहर है। यह अस्पताल क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ा परिवर्तन लेकर आएगा।

वसई विरार जिला भाजपा जीएसटी प्रेस कॉन्फ्रेंस सम्पन

वसईरोड। रीजेंसी बैंक्वेट हॉल, नालासोपारा पश्चिम में भाजपा वसई विरार शहर जिला द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने पत्रकारों को लागू होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती की जानकारी दी। केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तुओं, दवाओं, शैक्षिक सामग्री और छोटे उद्योगों के लिए आवश्यक विभिन्न सामग्रियों पर जीएसटी कम करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय से आम नागरिकों का आर्थिक बोझ कम होगा और व्यापारिक समुदाय को भी बड़ी राहत मिलेगी। केशव उपाध्याय ने विश्वास व्यक्त किया कि मोदी सरकार के इस निर्णय से देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और आने वाले दिनों में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा महाराष्ट्र के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय, पालघर लोकसभा सांसद हेमंत सावरा, जीएसटी सुधार पालघर जिला संयोजक एडवोकेट जयेश आव्हाड, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित,नालासोपारा विधान सभा के विधायक राजन नाइक, भाजपा वसई विरार शहर जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, जीएसटी सुधार वसई विरार शहर जिला संयोजक जोगेंद्र प्रसाद चौबे, पत्रकार और बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे। पत्रकार परिषद में जिला महामंत्री मनोज बारोट ने बिजेंद्र कुमार भी शामिल रहे।

जगदंबिका पाल ने नवी मुंबई स्थित कमलेश बाबूलाल परिहार की मुलाकात किया

-मयूर सोनी

मुंबई(उत्तरशक्ति)। अखिल मुंबई श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज(राज) सेक्रेटरी कमलेश बाबूलाल परिहार के नवी मुंबई वाशी स्थित बाबुल ज्वेलर्स शॉप पर राजसभा मेंबर और माजी मुख्यमंत्री जगदंबिका पाल, असम एमपी सुजीतकुमार ने शुभेच्छा मुलाकात किया। इस मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

धर्मगुरु बिशप थॉमस डिसूजा से मिले मैथ्यू कोलासो

वसई रोड। बिशप हाउस वसई में मैथ्यू कोलासो जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा को अपने सहयोगियों के साथ, वसई धर्मप्रांत के सम्मानित बिशप, बिशप थॉमस डिसूजा से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैथ्यू कोलासो के अपने समुदाय की बेहतरी के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा के माध्यम से की जा सकने वाली विभिन्न पहलों पर सकारात्मक चर्चा किया और बिशप के बहुमूल्य मार्गदर्शन के साथ, अपने भविष्य के प्रयासों के लिए उनका आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

राष्ट्रवादी नौजवान सभा द्वारा भगत सिंह जयंती पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

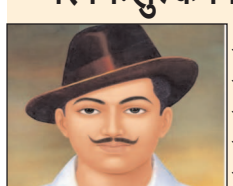

जौनपुर। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रवादी नौजवान सभा द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 27 सितंबर को श्री आरपी फामेर्सी कॉलेज,खजूरन, बदलापुर में आयोजित किया गया है । कॉलेज के प्रबंधक प्रमोद कुमार शुक्ला (मोनू) ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का आयोजन राष्ट्रवादी नौजवान सभा के संस्थापक पूर्व सांसद धनंजय सिंह के सौजन्य तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह तथा सचिव राणा सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है। सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित शिविर में पॉपुलर हास्पिटल, वाराणसी की डॉक्टर यूनिट डॉ० के. पी.सिंह सिंह(MBBS,MD,DipcÔrd) चेस्ट एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ, डॉ० विकास मिश्रा (MBBS, MD) फिजिशियन, डॉ० प्रियंका जायसवाल (MBBS, MS) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डॉ. ऊर्जाश्वेता सिंह (MBBS, MD,) चर्म रोग, कुष्ठ रोग,एलर्जी और सौंदर्य रोग विशेषज्ञ के साथ जौनपुर डॉक्टर यूनिट -डॉ० एम एम अब्बास (MBBS, MD, Dipcard) USA वरिष्ठ जनरल फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ० संदीप देशमुख MBBS, MD, DM) नेफ्रोलाजी, किडनी रोग विशेषज्ञ, डॉ० संजय सिंह MD (फिजिसियन) ,डॉ० उत्तम गुप्ता (MBBS MD) न्यूरो, मानसिक रोग विशेषज्ञ),डॉ० बृजेश कन्नौजिया (नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ) MBBS, MS (ENT) सर्जन, डॉ० विपुल सिंह MBBS, DCH (पिडियाट्रिक्स), डॉ० निदा सलाम CGO (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ० रॉबिन सिंह (MBBS. Ms), हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ० एस. डी. अब्बासी B.P.T. NDEP (फिजियोथेरेपिस्ट), डॉ अजीत कुमार BDS, FDS (डेंटल सर्जन) तथा डॉ० संदीप मौर्य (UP. UMS (ऑप्टोमेटिस्ट) नेत्र रोग विशेषज्ञ भाग लेंगे । लोगों से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

शहरी सेवा शिविर में बड़े चाव से पिया आयुर्वेद का काढ़ा

उदयपुरवाटी। नगर पालिका परिक्षेत्र में आने वाली शाहवाली ढाणी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में आज आयुर्वेद चिकित्सा शिवर में परामर्श चिकित्सा एवं काढा वितरण कार्य किया गया जिसमें लोगों ने अपने स्वास्थ्य को लेकर परामर्श लिया और जांच के बाद मौके पर ही उनको लाक्षणिक चिकित्सा दी गई इसके अतिरिक्त कैंप में आए लोगों ने आयुर्वेद का बना काढ़ा भी बड़ी चाव से पिया जानकारी देते हुए ब्लॉक आयुष चिकित्सालय प्रभारी डॉ राकेश माहिच ने बताया कि कैंप में आज सर्दी जुखाम और पाचन संबंधी विकार से पीड़ित काफी संख्या में लोग आए जिनको आयुर्वेद की दवा दी गई और रोगमुक्ति के बारे में आयुर्वेद सम्मत निर्देश दिए। इस दौरान आज यूनानी डॉ जबीर खान कंपाउडर महेंद्र नारनौलिया, नर्स पूनम कुमारी का सहयोग रहा। अनीता, विजय कुमार, मंजू देवी कविता,अशोक कुमार व सुनील सहित कई जनों ने उपस्थित होकर काढ़ा पिया।बुधवार को यह कैंप सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुरवाटी में लगेगा जहां डॉ दीपक बगड़िया द्वारा पेन मैनेजमेंट व अग्निकर्म द्वारा चिकित्सा की जाएगी

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की जिला क्रियान्वयन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की जिला क्रियान्वयन समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में एकीकृति बागवानी मिशन योजना,पर ड्रॉप मोर एरिगेशन और पीएफएमई सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई।

पर ड्रॉप मोर क्रॉप के लक्ष्य के बारे में जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा लाभार्थियों की सूची मांगी गई और कहा गया कि इनके संबंध में जांच कराई जाएगी। खाद्य प्रशंसकरण इकाइयों के संदर्भ में जानकारी लेते हुए उद्योग विभाग के समन्वय से बड़ी इकाइयां स्थापित करने के निर्देश दिए गए जिससे रोजगार के अवसर उत्पन्न हो सके।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि किसानों के बीच प्रचार प्रसार कराते हुए निःशुल्क बीज वितरण कराया जाना सुनिश्चित करें। जनपद में शहद के खेती की अपार संभावना है इसे और अधिक बढ़ाया जाए। विभाग की योजनाओं में नए किसानों को जोड़ने का प्रयास किया जाए।

इसके पश्चात जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति और प्रदूषण समिति की बैठक हुई, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए पौधों की जियोटैगिंग के संदर्भ में जानकारी ली गई जिन विभागों द्वारा सूचना नहीं दी गई है उन्हें शीघ्र सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने आद्रभूमि के सत्यापन की भी समीक्षा की। मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट को इनवायरमेंट कंप्लायंस पोर्टल पर सूचनाएं फीड कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही उन्होंने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जहां भी पौधे सूख गए है वहां 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर व्यापक स्तर पर पौधे लगाए जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया, डीएफओ प्रोमिला, परियोजना निदेशक के.के पांडे, जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा सहित अन्य उपस्थित रहे।

श्रीरामलीला उत्सव समिति द्वारा रामलीला का मंचन

जो सुमिरत सीधी होई, गननायक करीबर बदन।

करउ अनुग्रह सोई, बुद्धि रासी शुभ गुन सदन।।

मुंबई। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान पार्क साईट विक्रोली में श्री रामलीला उत्सव समिति द्वारा भव्य रामलीला महोत्सव का आयोजन दिनांक 22 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक किया जा रहा है। सोमवार को 59वें वर्ष रामलीला मंचन का शुभारंभ बालाजी मंदिर में महंत परमपूज्य आचार्य स्वामी श्री धरणीधराचार्य जी महाराज के पावन करकमलों द्वारा माँ वीणावादिनी की पूजा एवं दीप प्रज्वलन के साथ फीता काट कर मंचन का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल द्वारा श्री महाराज जी को मालार्पण कर शाल पुष्पगुच्छ श्रीफल और संकल्प पत्रिका देकर स्वागत किया गया। सोमवार को रामलीला में भगवान शिव द्वारा माता पार्वती को प्रभु श्रीराम की महिमा का वर्णन, महर्षि नारद मुनि के मोह,एवं रावण के प्रचंड तप की अद्भुत लीला का मंचन किया गया।

आचार्य जी ने अपने आशीर्वचन में कहा रामलीला केवल देखने योग्य नहीं, बल्कि जीवन में उतारने योग्य अनुकरणीय आदर्श है। इस वर्ष भी रामलीला का मंचन काशी की रामलीला रामायण प्रचारक मंडल के कुशल कलाकारों द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव से किया जा रहा है। और मंच पर अतिथि के तौर पर उपस्थित सेंट्रल रेलवे के अधिकारी पुलकित त्रिपाठी का रामनामी शाल पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंट स्वागत किया गया तथा इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल और समिति के दिवाकर मिश्र,बाबुलनाथ तिवारी,दलजीत पांडेय,सर्वदेव पांडेय,आदेश मिश्र, भोलानाथ मिश्रा,अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, विमलेश मिश्रा, राजेश सिंह, प्रमुख राहुल शुक्ल,अवधेश तिवारी, चंद्रमणि सिंह, शुभम सिंह, ब्रह्मदेव दुबे, अशोक गुप्ता, तपस्वी चौरसिया, मोहन श्रीवास्तव, रमापति यादव, रामराज यादव, अनिलेश मिश्रा,प्रदीप मिश्रा,संदीप दुबे, आकाश दुबे, नीरज शुक्ला, प्रेम तिवारी, राकेश दुबे, बृजेश पांडेय, प्रथम, प्रत्यूष, शुभांशु शुक्ल सहित अन्य गणमान्यवरों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजन स्थल भक्तिमय हो उठा। मंगलवार की लीला में अतिसय देखी धर्म कै ग्लानि। परम सभीत धारा अकुलानी।। अर्थात इस प्रकार धर्म के प्रति लोगों की अतिसय ग्लानि,अरुचि अनास्था देख कर पृथ्वी अत्यंत भय भीत एवं व्याकुल हो गई। सोमवार को पृथ्वी पुकार,राम जनम, मुनि आगमन, ताड़का वध,मारीच सुबाहु वध आदि लीला मंचित किया गया। आगामी 10 दिनों तक प्रतिदिन भगवान श्रीराम की विविध लीलाओं का दिव्य मंचन होगा। समिति के संगठन मंत्री आदेश मिश्र ने सभी श्रद्धालु भक्तगणों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएँ।

हैदराबाद की MEIL ग्रुप को CRPF के लिए अत्याधुनिक स्नाइपर राइफल्स सप्लाई करने का बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की बडी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी टएक्छ (मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड) को एक अच्छी उपलब्धि मिली है। इसके ग्रुप कंपनी ICOMM टेली लिमिटेड को भारत की केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) को 200 CSR 338 स्नाइपर राइफल्स सप्लाई करने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है।

ये राइफल्स हैदराबाद में बने नए ICOMM-CARACAL स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स में तैयार की जाएंगी। यह आधुनिक फैक्ट्री वअए की कंपनी CARACAL के साथ साझेदारी में बनाई गई है। ICOMM के डायरेक्टर सुमंत पातुरु ने कहा, यह सिर्फ राइफल सप्लाई करने का काम नहीं है, बल्कि भारत की रक्षा ताकत को मजबूत करने, हैदराबाद में रोजगार बढ़ाने और विश्वस्तरीय तकनीक लाने का अवसर है। CSR 338 एक हाई-परफॉर्मेंस स्नाइपर राइफल है, जो सटीकता और विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। इसके पहले लॉट की डिलीवरी 2025 के अंत तक की जाएगी। MEIL, जो देश-विदेश में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स बना रही है, अब रक्षा निर्माण में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।

भूटान भारत साहित्य महोत्सव में मुंबई की वरिष्ठ कवयित्री अधिवक्ता रेखा किंगर रोशनी हुई सम्मानित

मुंबई। भूटान की राजधानी में पोयट्री क्लब भूटान एवं क्रांति धरा साहित्य अकादमी मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में डॉक्टर विजय शर्मा के मार्गदर्शन तथा गरिमामय आयोजन भूटान भारत साहित्य महोत्सव सफलता के साथ संपन्न हुआ। उक्त आयोजन दो दिवसीय रहा जिसका संचालन डॉक्टर विजय पंडित ने किया। वसुधैव कुटुंबकम की भावना को मजबूत करते हुए शिक्षा साहित्य कला और संस्कृत के माध्यम से दोनों देशों के रचनाकारों को एक मंच पर लाया। इसका मुख्य उद्देश्य साहित्यिक सहयोग को बढ़ावा देना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना रहा। राजेंद्र मोहन शर्मा की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि के रूप में श्वेता सिंह उमा मास्को, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर देवेंद्र अरोड़ा भूटान,उस्ताद शायर श्रीमान सुशील साहिल साहब, सरस्वती स्वरुपा अतिथि सीता माया राई संस्थापक पोयट्री क्लब भूटान,जसप्रीत कौर 'फलक' लुधियाना, राजेंद्र पुरोहित, हेमंत सक्सेना की गरिमामय उपस्थिति रही।भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 72 साहित्यकारों एवं भूटान के लगभग 15 रचनाकारों ने विभिन्न विधाओं में रचनाएं प्रस्तुत करके आयोजन को यादगार बना दिया। मुंबई की वरिष्ठ कवयित्री एवं शायर अधिवक्ता रेखा किंगर रोशनी को लुधियाना की डॉक्टर जसप्रीत कौर,फलक साहिबा एवं सुशील ठाकुर साहिल ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। अधिवक्ता रेखा किंगर रोशनी के साथ डॉ गोपेश बाजपेई भोपाल, डॉ.अअनुराधा दुबे, सुरेश सोनपुरे अजनबी एवं डॉ अनिल शर्मा मयंक,ज्योत्सना सक्सेना,कविता माथुर को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर डाबर ने 153 निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया

मुंबई। डाबर इंडिया लिमिटेड ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर देशभर में 153 मुफ्त हेल्थ कैंप लगाकर सेहत के लिए अपनी जिम्मेदारी दिखाई। यह पहल आयुर्वेद के फायदों को बढ़ावा देने और आयुष मंत्रालय के साथ मिलकर की गई, जिसने हाल ही में आयुर्वेद दिवस की तारीख तय की है। स्थानीय आयुर्वेदिक डॉक्टरों और संस्थानों के सहयोग से आयोजित इस पहल ने हजारों लोगों को मुफ्त परामर्श और स्वास्थ्य जांच प्रदान की। इन शिविरों का उद्देश्य जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रबंधन और समग्र स्वास्थ्य को प्राप्त करने के लिए दैनिक दिनचर्या में आयुर्वेदिक सिद्धांतों को एकीकृत करने के लाभों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना था। डाबर इंडिया लिमिटेड के हेल्थकेयर ओटीसी और आयुर्वेद के वीपी-मार्केटिंग श्री अजय सिंह परिहार ने कहा, ₹आयुर्वेद केवल एक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली नहीं है; यह जीवन का एक तरीका है जो मन, शरीर और प्रकृति के बीच सामंजस्य पर जोर देता है। हमें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के राष्ट्रव्यापी उत्सव में शामिल होने पर गर्व है। इन 153 मुफ्त स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से, हम जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के लिए आयुर्वेद की अच्छाई को सुलभ बनाने में सक्षम थे, जिससे उन्हें स्वस्थ और अधिक संतुलित जीवन के लिए इस प्राचीन विज्ञान को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिविरों में योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने आहार, जीवनशैली और हर्बल उपचारों पर व्यक्तिगत सलाह दी। इसके अलावा, प्रतिभागियों को चुनिंदा डाबर उत्पादों के मुफ्त नमूने भी मिले। डाबर का स्वास्थ्य शिविरों, शैक्षिक कार्यक्रमों और अनुसंधान सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से आयुर्वेद को बढ़ावा देने का एक लंबा इतिहास रहा है। कंपनी एक स्वस्थ भारत में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए आयुर्वेद की शक्ति का लाभ उठाने के लिए समर्पित है।